RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ● 02 जनवरी , 2025 वर्षः-12 अंक -245 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

महाकुंभ में श्रीशंभू पंचायत अटल अखाड़े की पेशवाई

500 से ज्यादा साधु-संत रथ-घोड़े पर सवार होकर निकले,फरसा लहराकर भांजी लाठी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ मेले के लिए सभी अखाड़ों से जुड़े साधु-संतों का प्रवेश अब मेला क्षेत्र में हो रहा है। 1 जनवरी को चौथे अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) हुई। श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा निकाली गई। इसके पीछे महामंडलेश्वर रथ और बग्घी पर सवार होकर निकले। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे थे। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा सरस्वती महाराज की अगुवाई में 500 से ज्यादा साधु-संत और 100 से ज्यादा नागा संत महाकुंभ में बने अपने शिविर में प्रवेश किए। 5 किमी की

यह यात्रा करीब 2 घंटे में पूरी हुई। पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा है। इसके पीछे रथ पर महामंडलेश्वर चल रहे हैं। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे हैं। अखाड़े के श्रीमहंत बलराम भारती ने बताया- पेशवाई बख्शी बाध पुलिस चौकी के पास स्थित अखाड़े से निकाली गई। निराला मार्ग से होते हुए महानिर्वाणी अखाड़ा, बेणी बांधव मंदिर, दारागंज अड्डा, गंगा भवन, निरंजनी अखाड़ा होते महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंचेगी। त्रिवेणी मार्ग से सेक्टर 20 में अखाड़े के शिविर में प्रवेश करेंगे। यह यात्रा करीब 5 किलोमीटर की है। अटल अखाड़े के सचिव श्रीमहंत बलराम भारती बताते हैं कि श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की स्थापना आदि शंकराचार्य के निर्देश पर 569 ईस्वी में गोंडवाना में हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

जलगांव में 2 गुट भिड़े, 6 गाड़ियां,15 दुकानें जलाईं

मंत्री की कार टकराने से हुआ बवाल,सुबह तक कर्फ्यू

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में 31 दिसंबर की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। देर रात फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी की सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री

गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस की। झगड़े की खबर लगने पर गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी आ गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सौरभ शर्मा की लाल डायरी में कई बड़े लोगों के नाम

जीतू पटवारी बोले-उसमें 2 हजार करोड़ का है हिसाब

भोपाल। भोपाल में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापे के दौरान करोड़ों रुपए की नकदी, सोना, चांदी और संपत्तियों के दस्तावेज सामने आए हैं। इसे लेकर राजनीति भी हो रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया है कि छापेमारी के दौरान लोकायुक्त को एक लाल डायरी मिली है। उस डायरी में कोडवर्ड में कई रसूखदारों के नाम लिखे गए हैं। इधर, जीतू पटवारी के लाल डायरी वाले बयान पर पूर्व मंत्री गोपाल

भार्गव बोले मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन जहां तक मुझे विश्वास है मेरा नाम तो कहीं नहीं होगा। जीतू पटवारी ने चर्चा के दौरान कहा, सवाल यह है कि एक कॉन्स्टेबल के पास इतना पैसा कैसे आया। कॉन्स्टेबल के पास एक डायरी थी, जिसमें नाम के पहले अक्षर के जरिए लोगों के नाम लिखे गए हैं कि यह पैसा कहां-कहां गया। वह डायरी लोकायुक्त के पास है। अब सवाल उठता है कि लोकायुक्त उस डायरी को बदलेंगे या रखेंगे। पटवारी ने कहा- मैं लोकायुक्त से आग्रह करता हूं कि ये सारी बातें सार्वजनिक होना चाहिए। देश और प्रदेश को पता चलना चाहिए।

मणिपुर में नए साल में भी नहीं थम रही हिंसा

इंफाल में जमकर हुई गोलीबारी,बम भी फेंके गए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के गांव पर मंगलवार रात कुछ बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। कडांगबंद इलाके में रात करीब 1 बजे बम फेंके गए। गांव वालों ने भी जवाबी फायरिंग की। हालांकि इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मणिपुर में यह ताजा घटना सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बयान के कुछ घंटों बाद हुई। बीरेन सिंह ने मंगलवार को राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी थी। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल पूछा कि,

पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं। इसके जवाब में बीरेन सिंह ने कहा कि, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव के कार्यकाल में भी मणिपुर में अशांति थी। क्या वो कभी वहां गए थे। सीएम बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर को सेक्रेटिएट में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि हिंसा में कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे वास्तव में खेद है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गई। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं। बीरेन सिंह की इस प्रेस कांफ्रेंस की क्लिप को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर शेयर किया और सवाल पूछा- प्रधानमंत्री मणिपुर जाकर वहां ये बात क्यों नहीं कह सकते। वे जानबूझकर 4 मई 2023 से राज्य का दौरा नहीं कर रहे हैं, जबकि वे देश-दुनिया की यात्रा कर रहे हैं। मणिपुर के लोग इस उपेक्षा को समझ ही नहीं पा रहे हैं। जयराम के इस पोस्ट पर बीरेन सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने लिखा- मणिपुर में नगा-कुकी के बीच हिंसा कई सालों तक जारी रही। 1992 से 1997 के बीच हिंसा काफी बढ़ गई थी। क्या पीवी नरसिम्हा राव, जो 1991 से 1996 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे कांग्रेस के अध्यक्ष थे मणिपुर आए थे।

नए साल में सीएम मोहन यादव की नई पहल

- सीएम आवास में लगेगा जनता दरबार,सीएम खुद सुनेंगे लोगों की समस्या

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव नए साल में नया प्रयोग करने जा रहे हैं। सीएम मोहन यादव, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और उमा भारती की तरह सीएम आवास पर जनता दरबार लगाएंगे। सीएम मोहन यादव लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उसका समाधान करेंगे। सीएम आवास पर पहले जनता दरबार का आयोजन 6 जनवरी को होगा। इसके लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मोहन यादव से पहले राज्य के दो पूर्व सीएम उमा भारती और दिग्विजय सिंह जनता दरबार लगा चुके हैं। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में कभी पहल नहीं की। सूत्रों के अनुसार, पहला जनता दरबार 6 जनवरी को सुबह 10 से 12 बजे तक होगा। सीएम हाउस पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री मोहन यादव खुद मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। लोगों की समस्या के समाधान के लिए अलग-

अलग विभाग के अधिकारी भी मौजूद करेंगे जो लोगों की समस्या का तुरंत समाधान करेंगे। बताया जा रहा है कि जनता दरबार में ट्रांसफर और पोस्टिंग जैसे मुद्दों की कोई सुनवाई नहीं होगी। यहांकेवल बीमारी और जरूरतमंदों के आवेदनों पर ही सुनवाई होगी।

जजों के रिश्तेदारों के हाई कोर्ट में जज बनने पर लगेगी रोक !

नई दिल्ली (एजेंसी)। टॉप वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के विचाराधीन उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें जजों के परिवार से किसी को हाई कोर्ट जज नियुक्ति पर रोक लगाने की बात कही है। दरअसल, प्रस्ताव में उन वकीलों या जूडिशल अधिकारियों में से हाई कोर्ट के जज के रूप में नियुक्ति पर कुछ समय के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव है, जिनके माता-पिता या करीबी रिश्तेदार सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे या हैं। इसकी वजह है कि पहली पीढ़ी के वकीलों को संवैधानिक अदालतों के जज बनने का मौका मिल सके। एक अंग्रेजी अखबार ने सबसे पहले इस प्रस्ताव के बारे में रिपोर्ट की थी। साथ ही यह भी बताया था कि सुप्रीम कॉलेजियम ने हाई कोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए हाई कोर्ट कॉलेजियम की तरफ से अनुशंसित वकीलों और न्यायिक अधिकारियों से बातचीत करने का फैसला किया है, ताकि उनकी उपयुक्तता और उनकी क्षमता और योग्यता का आंकलन किया जा सके।

एमपी में जबरदस्त ठंड, कोहरे के आगोश में कई शहर

- भोपाल-उज्जैन-शाजापुर में घना कोहरा,विजिबिलिटी 50 मीटर
- छतरपुर का नौगांव सबसे ठंडा, जनवरी में 22 दिन शीतलहर

भोपाल। मध्यप्रदेश में साल 2025 की पहली सुबह कड़ाके की सर्दी रही। वहीं, कई शहर कोहरे की आगोश में रहे। भोपाल, उज्जैन और शाजापुर में इतना घना कोहरा रहा कि 50 मीटर बाद कुछ नहीं दिखा। भोपाल में सुबह 9 बजे के बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए। सागर, बालाघाट के मलाजखंड और दमोह में 200 से 500 मीटर तक विजिबिलिटी रही। वहीं, नर्मदापुरम, इंदौर, रायसेन में 500 से 1000 मीटर और ग्वालियर, राजगढ़, शिवपुरी, जबलपुर में 1-2 किमी की विजिबिलिटी रही। छतरपुर के नौगांव की रात सबसे ठंडी रही। यहां पारा 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुना में 6.5 डिग्री, सागर में 6.7 डिग्री, राजगढ़ में 7.6 डिग्री, मंडला में 7.7 डिग्री, टीकमगढ़ में 7.9 डिग्री, मलाजखंड में 8

डिग्री, रतलाम-रायसेन में 8.3 डिग्री, उमरिया में 8.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 9 डिग्री, खजुराहो-सतना में 9.4 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में भी पारे में गिरावट देखने को मिली। राजधानी भोपाल में पारा 8.4 डिग्री, जबलपुर में 9 डिग्री, ग्वालियर में 9.9 डिग्री, उज्जैन में 11.8 डिग्री और इंदौर में 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नवंबर-दिसंबर में रिकॉर्ड तोड़ने वाली ठंड जनवरी में भी जमकर असर दिखाएगी। मौसम विभाग का कहना है कि जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर चल सकती है। उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति बनेगी। शुरुआती 3 दिन प्रदेश के आधे हिस्से में कोहरा रहेगा। कुछ जिलों में शीतलहर भी चलेगी।

खुद के स्वार्थ के लिए मंदिर का प्रचार करना गलत है

- संघ के मुखपत्र ने लिखा-इसे राजनीति का हथियार न बनाएं
- मोहन भागवत ने कहा था- मंदिर और मस्जिद विवाद सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का समर्थन किया है। पांचजन्य ने संपादकीय में लिखा कि कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए मंदिरों का प्रचार कर रहे हैं और खुद को हिंदू विचारक के रूप में पेश कर रहे हैं। पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने संपादकीय मंदिरों पर यह कैसा दंगल में लिखा- मंदिरों का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल स्वीकार्य

नहीं है। इसे राजनीति का हथियार नहीं बनाना चाहिए। भागवत का बयान गहरी दृष्टि और सामाजिक विवेक का आह्वान है।

मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में कहा था कि राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इस तरह के मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। हर दिन एक नया मामला उठाया जा रहा है।

अवामी लीग लड़ेगी अगला चुनाव,सीईसी का बड़ा ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आगामी आम चुनावों में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग भी शामिल हो सकती है। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने ये बात कही है। उन्होंने साथ ही शर्त जोड़ी कि अगर सरकार या न्यायपालिका की ओर से पार्टी पर बैन जैसा फैसला होता है तो फिर उसका चुनाव में जाना मुमकिन नहीं होगा। नसीरुद्दीन ने अपने देशवासियों को भरोसा दिलाया कि आयोग स्वतंत्रता से काम कर रहा है और निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराया जाएगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के चुनाव लड़ने से जुड़े सवाल पर सीईसी ने कहा कि किसी पार्टी को तभी इलेक्शन में जाने से रोका जा सकता है, जब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार या अदालत की ओर से इस संबंध में बैन का आदेश आए। उन्होंने ये भी कहा कि चुनाव आयोग पर कोई दबाव का असर नहीं है। हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। बांग्लादेश सीईसी ने बताया कि अगले छह महीनों में मतदाता सूची अपडेट कर ली जाएगी। नसीरुद्दीन ने मतदाता सूची अपडेट करने के विस्तृत दिशानिर्देश भी साझा किए।

उफान पर ठंड, छूट रही है कंपकंपी

- कश्मीर के गुलमर्ग में पारा माइनस 11.5 डिग्री
- हिमाचल में 6 दिन तक बर्फबारी का अलर्ट जारी
- 16 राज्यों में घना कोहरा, शीतलहर की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के राज्यों में ठंड का असर

बरकरार है। नए साल के पहले दिन मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के 16 राज्यों में घना कोहरा भी देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के 40 जिलों में घने कोहरे के चलते 100 मीटर से ज्यादा दूर देखना मुश्किल हो रहा था। मध्य प्रदेश के भोपाल-उज्जैन समेत कई जिलों में भी विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। हरियाणा में कोहरे के कारण 30 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इसमें 19 ट्रेनें 30 मिनट से 6 घंटे तक देरी से चलीं। 11 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं। यहां 13 जिलों कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के 3 शहरों में तापमान 5 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। माउंट आबू में पारा 2.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में पारा और गिर सकता है। जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग में तापमान माइनस पर है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 02 जनवरी , 2025

पुलिस आवास से 2 युवतियां समेत तीन गिरफ्तार

ग्वालियर। नए साल के जश्न की आड़ में गड़बड़ झाले का खेल चलता रहा। यह खेल कहीं और नहीं बल्कि पुलिस के सरकारी आवास के एक फ्लैट में चल रहा था। जानकारी पर पुलिस ने देर रात दबिश दी। इस दौरान मौके से दो युवतियां और एक युवक को हिरासत में लिया। जबकि तीन से चार युवक मौके से भाग निकले। फिलहाल पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ में जुटी हुई है।शहर में नए साल के जश्न की आड़ में गलत हरकतें रोकने के लिए पुलिस का बेड़ा सड़कों पर मौजूद था, तो वहीं पुलिस के सरकारी आवास के फ्लैट 1002 में ही न्यू इयर पार्टी के नाम पर गड़बड़ झाले का खेल चलता रहा। हालांकि बात छिपी नहीं रही जिसके बाद सरकारी आवास में रहने वाले दूसरे पुलिसकर्मियों के परिवारों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद सिरोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और देर रात उस फ्लैट पर दबिश दी। जहां पुलिस को कुछ लोग वहां मिले। जिसमें दो युवतियां और एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया।वहीं तीन से चार युवक मौके से भाग निकले है। फ्लैट कोतवाली में पदस्थ आरक्षक विकास राजपूत का बताया जा रहा है। हाथ आए युवक से पुलिस उसके साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस का कहना है कि पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही हैं। जांच के बाद जो तत्व सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

साल के पहले दिन खोला सरकारी नौकरी का पिटारा

भोपाल। सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं को साल के पहले दिन खुशखबरी मिली है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने MPPSC 2025 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 158 पदों पर भर्ती की जाएगी। 16 फरवरी को प्रीलिम्स एग्जाम होगा।नोटिफिकेशन के अनुसार, MPPSC 2025 परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया & जनवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। कैंडिडेट्स को 17 जनवरी 2025 तक आवेदन करना होगा। ऑफिशियल वेबसाइट- mppsc.mp.gov.in वेबसाइट के जरिए आवेदन भरना होगा। आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स को प्रीलिम्स एग्जाम के लिए 'यादा समय नहीं मिलने वाला है।नोटिफिकेशन के अनुसार,MPPSC 2025 परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया × जनवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। कैंडिडेट्स को 17 जनवरी 2025 तक आवेदन करना होगा। ऑफिशियल वेबसाइट- mppsc.mp.gov.in वेबसाइट के जरिए आवेदन भरना होगा। आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स को प्रीलिम्स एग्जाम के लिए 'यादा समय नहीं मिलने वाला है।एमपीपीसीएस परीक्षा 2025 MPPSC (2025) के माध्यम से कुल 158 खाली पदों पर भर्तियां होंगी। इसमें 18 तरह की सेवाओं में भर्तियां होने वाली हैं। मुख्य रूप से उप जिलाध्यक्ष के कुल 10 पदों पर भर्तियां होंगी। इसके अलावा डीएसपी के 22 पदों पर, बाल विकास परियाजना अधिकारी के 65 पदों पर, विकासखंड अधिकारी के & पदों पर, नायब तहसीलदार के & पदों पर और अधीनस्थ लेखा सेवा में 14 पदों पर भर्तियां होंगी।

नए साल पर संजय टाइगर रिजर्व पहुंचे सैलानी

सीधी। नए वर्ष को लोग अपने-अपने अंदाज में मनाते हैं। कुछ घर पर तो कुछ बाहर जाकर पार्टी करते हैं। इसी बीच जिला का संजय टाइगर भी पीछे नहीं रहा, लोग जंगलों में पहुंचकर जंगली जानवरों का दीदार कर नए वर्ष का आनंद उठाने संजय टाइगर रिजर्व आ रहे। सैलानियों में दिल्ली सहित मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से सैलानी पहुंच रहे हैं। संजय टाइगर रिजर्व सीधी टाइगर्स के लिए सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में मशहूर हैं। यहां टाइगर रिजर्व क्षेत्र में होटल्स और रिसॉर्ट फूल चल रहे हैं।सीधी जिले में शहर सहित आसपास प्राकृतिक मनोरम स्थलों पर नए साल का जश्न धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस साल भी 'यादातर लोगों ने प्रकृति के सानिध्य में रहकर नए वर्ष का जश्न अनूठे अंदाज में मनाने की तैयारी की है। सीधी जिले के पर्यटन गांव संजय टाइगर रिजर्व में देशी व विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा हो गया है। यहां के पर्यटन विकास निगम के होटल, जंगल में कैम्प सहित अन्य सभी रिसोर्ट पर्यटकों से फुल हो चुके हैं। कोलाहल से दूर प्रकृति के बीच नए साल का जश्न मनाने की लोगों में बढ़ती रुचि को देखते हुए प्रशासन ने गाइडलाइन जारी की है।अपर कलेक्टर ने एक आदेश जारी कर संजय टाइगर रिजर्व के कोर एवं बफर जोन तथा चिह्नित ईको सेंसेटिव जोन के अतिसंवेदनशील वन्य प्राणी बाहुल्य क्षेत्र तथा इनकी सीमा के समीप तीव्र ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंधात्मक आदेश ×0 दिसंबर 2024 की रात्रि 8 बजे से 5 जनवरी 2025 की शाम 5 बजे तक प्रभावशील रहेगा। इसके तहत निर्धारित क्षेत्र में वैवाहिक कार्यक्रम, जुलूस, रैली, धरना प्रदर्शन, खेल प्रतियोगिता, पटाखे, पार्टी या चलित वाहन आदि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

अभियोजन स्वीकृति के लिए नए निर्देश लोकायुक्त-ईओडब्ल्यू पुलिस की जांच के साथ नहीं होगी कर्मचारियों के अभ्यावेदन पर सुनवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ चल रही लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, पुलिस की जांच के दौरान उनके अभ्यावेदन पर समानांतर जांच या सुनवाई नहीं हो सकेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागीय जांच और अभियोजन से संबंधित मामलों को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा है कि अभ्यावेदन पर सुनवाई सिर्फ तभी हो सकेगी जब शिकायत निजी तौर पर हुई हो। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि अभियोजन की स्वीकृति तभी मिलेगी जब कर्मचारियों को एक बार सुनने का मौका दिया जाएगा। उसकी बात सुने बगैर आयोजन की स्वीकृति नहीं दी जा सकेगी। ऐसे मामलों में × महीने के भीतर निराकरण करना होगा। केस डायरी स्टडी करने के बाद ही अभियोजन की स्वीकृति मिलेगी। इसके तहत विभाग के बजाय संबंधित विभाग के अधिकारी के पास अभियोजन की स्वीकृति के लिए डायरी भेजी जाएगी। शासन के संज्ञान में आया है कि अभियोजन स्वीकृति के जारी आदेशों में तकनीकी और लिपिकीय गलतियां होती है। इस कारण अभियोजन स्वीकृति आदेश में जांच एजेंसियां संशोधन कराती है। जिससे केस कोर्ट में पेश करने में अनावश्यक विलंब होता है। अब खास ध्यान रखना होगा कि अफसर के हस्ताक्षर, सील और हर स्थान पर अपराध क्रमांक और धारा का जिक्र हो। कभी-कभी रिश्वत की राशि, रिश्वत लेने की तारीख, प्रार्थी का नाम नहीं लिखा होता है, इसे भी अधिकारी ध्यान में रखेंगे।अभियोजन स्वीकृति आदेश के रूप में होनी चाहिए।

जमीनी विवाद में फायरिंग के बाद कलेक्टर का सख्त कदम

ओझा। भिंड में जमीन विवाद को लेकर हुए गोलीकांड के बाद जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए मालनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लहचूरे पुरा और हरि राम का पुरा गांव के सभी शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं।, 29 दिसंबर 2024 को मालनपुर थाना क्षेत्र के लहचूरे पुरा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में गोलीबारी हुई। इस घटना में एक व्यक्ति की गोली लगने से मौके पर मौत हो गई, जबकि एक घायल को ग्वालियर रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, एसडीएम गोहद, तहसीलदार और पटवारी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने लहचूरे पुरा एवं हरि राम का पुरा दोनों जगह की शस्त्र लाइसेंसों को तुंरत निलंबित किया।एसडीएम के द्वारा दोनों गांव में धारा 144 भी लागू करदी हैं। आज दिन तक धारा 144 लागू है। संबंधित अधिकारियों ने कहा कि जब तक मामला शांत नहीं होगा, तब तक धारा 144 लागू रहेगी। एवं शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। लहचूरे पुरा गांव में लगभग 50त्न घरों में ताले लगे हुए हैं।

बीजेपी का संगठन प्लान : नए साल में दिखेंगे नए चेहरे, जिलाध्यक्ष की लॉबिंग में जुटे समर्थक

भोपाल। प्रदेश में 2025 के पहले ही दिन से बीजेपी संगठन विस्तार की तैयारियों में जुट गई है। साल के पहले ही दिन बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता बीजेपी दफ्तर पहुंच रहे है। बताया जा रहा है कि बीजेपी के संगठनात्मक 60 जिलों में जिला अध्यक्षों के चयन के लिए सीनियर नेताओं में रायशुमारी अब पूरी हो चुकी है, जिसके बाद अब जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के लिए लिफाफे खोले जाएंगे। इससे पहले समर्थक जिलाध्यक्ष की लॉबिंग में जुट गए हैं। बीजेपी दफ्तर में दो दिन तक बैठकों का दौर चलेगा। पर्यवेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक होगी। हर जिले को लेकर वन टू वन चर्चा होगी। जिसके बाद 5 जनवरी तक जिलाध्यक्षों की सूची जारी होगी बताया जा रहा है कि बीजेपी के सीनियर नेता भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में सभी से वन टू वन चर्चा करेंगे। प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी सरोज पांडेय और राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की इसमें अहम भूमिका मानी जा रही है। ऐसे कई जिले हैं, जहां जिला अध्यक्ष दोबारा रिपीट हो सकते हैं। बीजेपी ने मध्य प्रदेश में हर जिले से करीब-करीब चार-पांच नेताओं के नाम बुलाए हैं, ऐसे में जिसका नाम सबसे ऊपर होगा, उसे ही इस बार जिलाध्यक्ष की कमान मिल सकती है।

बीजेपी बदलेगी प्रदेश अध्यक्ष !

सूत्रों के हवाले से बताया बताया जा रहा है कि बीजेपी जनवरी तक प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति भी कर सकती है। जनवरी के आखिरी तक नए अध्यक्ष के मिलने की संभावना है। फिलहाल बीजेपी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। 2020 में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था जहां 202× में उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा हो गया है।

मां शारदा के धाम में लगा भक्तों का मेला, दर्शन के साथ नए साल की शुरुआत

मैहर। नए वर्ष के उपलक्ष पर मां शारदा मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। नव वर्ष को लेकर मां शारदा के प्रथम दर्शन से ही लोग अपने दिन की शुरुआत कर रहे हैं। जिसे लेकर मैहर में देश के कोने-कोने से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। और मां शारदा के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं।कड़ाके की ठंड में भक्तों के द्वारा पहाड़ी में विराजमान मां शारदा के दर्शन करने के लिए लाइन लगाकर मां शारदा के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं। वहीं सुरक्षा को देखते हुए ही भारी पुलिस बल भी मंदिर परिसर पर लगाया गया है। जिससे कि दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को सरलता एवं शांतिपूर्ण तरीके से मां शारदा के दर्शन प्राप्त हो सके।

सुरक्षा को लेकर 275 से अधिक पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। जिससे कि श्रद्धालु आसानी से मां शारदा के दर्शन प्राप्त कर सके और अपने दिन की शुरुआत अ'छे तरीके से कर सके। इसके साथ-साथ श्रद्धालुओं की तमाम सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। मंदिर परिसर पर ठंड को देखते हुए जगह जगह अलाव की व्यवस्था की गई है। तेजी के साथ ठंड बढ़ रही है जिसकी वजह से हाथ पैर टूटने लगते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधाओं की सुविधा को देखते हुए मैहर कलेक्टर के द्वारा मंदिर परिसर के तमाम जगहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। जिससे कि श्रद्धालु आग का सहारा ले सके और इस पहाड़ी में चढ़कर ऊपर विराजमान मां शारदा के दर्शन प्राप्त कर सकें।सुरक्षा को लेकर मैहर पुलिस अधीक्षक में जानकारी देते हुए बताया कि, नए वर्ष पर भारी संख्या पर श्रद्धालु मैहर मां शारदा के दर्शन करने के लिए आते हैं। जिसको देखते हुए मैहर के साथ-साथ अन्य स्थानों पर पुलिस फोर्स को तैनात किया। जिससे किसी प्रकार की कोई असुविधा श्रद्धालुओं को ना हो और श्रद्धालु मां शारदा के दर्शन कर सकें। इसके साथ-साथ ड्रोन कैमरे से भी इसकी मॉनीटरिंग की जा रही है। किसी भी समस्या होने पर एक अलग से अतिरिक्त टीम भी गठित की गई है। जिससे तत्काल श्रद्धालुओं की मदद हो सके। प्रधान पुजारी ने नए वर्ष पर सभी श्रद्धालुओं को अंग्रेजी नव वर्ष की शुभकामनाएं दी है। इसके साथ-साथ प्रधान पुजारी पवन पांडे के द्वारा बताया गया कि, देर रात से ही श्रद्धालुओं का आना-जाना शुरू हो गया। भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां शारदा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इस कड़ाके की ठंड में भी श्रद्धालु मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर पहुंच रहे हैं। जिसको लेकर पुलिस प्रशासन के द्वारा भी तमाम तरह की उत्तम व्यवस्थाएं की गई है। मां शारदा की श्रृंगार करने के उपरांत भक्तों के लिए कपट सुबह 4ः00 बजे खोल दिए गए। सुबह 4ः00 बजे ही मां शारदा की पूजा अर्चना एवं आराधना की गई है।

तितलियों के साथ पर्यटकों ने किया नववर्ष का स्वागत

खंडवा। नए साल पर पर्यटक स्थल पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है। ओर बढ़े भी क्यों न, फूल, पंखुड़ी और तितलियां भला किसे अ'छे नहीं लगते। खंडवा के हरसूद का तितली पार्क खूब सुर्खियों में है। नए साल के मौके पर चार खेड़ा के तितलियों के संसार में पर्यटकों ने आनंद उठाया।खंडवा के इंदिरा सागर जलाशय के बैकवाटर पर स्थित बटर पलाई गार्डन में इन दिनों रंग-बिरंगी तितलियों की बहार है। तकरीबन 7× से लेकर 82 तरह की प्रजातियों की हजारों तितलियां गार्डन में उड़ान भरते हुए देखी जा रही हैं। इनमें प्लेन टाइगर, स्ट्रैप टाइगर, ब्लू टाइगर, कॉमन क्रो, कॉमन रोज, कॉमन मोर्मन, ग्रेट एगफ्लाई, लेमन पेंसिल, बारोनेट, कॉमन पिरोट, सहित अन्य प्रजातियों की तितलियां शामिल हैं जो इस बैक वाटर पार्क में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।मध्य प्रदेश के इस सबसे मॉडल बटर फ्लाई गार्डन में स्टील और जालियों का बड़ा डोम स्थापित किया गया है। इसके भीतर ही तितलियों के लिए आवश्यक पौधे भी लगाए गए हैं। इन्हीं होस्ट प्लांट पर तितलियां अंडे देती हैं और नेक्टर प्लांट से भोजन प्राप्त करती हैं। वाइल्ड विशेषज्ञ और तितली पार्क में कार्य कर रहे धर्मेंद्र पारे ने बताया कि ब्लू, प्लेन, स्ट्रैप टाइगर सहित कुछ अन्य प्रजातियों के नर क्रोटोलेरिया के पौधों पर काफी संख्या में झुंड में इन दिनों देखे जा सकते हैं। ये इस पौधे से प्राप्त एल्कलाइड तत्वों को ग्रहण करके अपने शरीर में फेरामौस निर्मित करते हैं। इसकी खुशबू से मादा तितली इनकी ओर आकर्षित होती है।

पारे ने बताया कि तितली पार्क में दो तरह के पौधे लगाए गए हैं। इनमें होस्ट और नेक्टर प्लांट शामिल हैं। होस्ट प्लांट पर तितलियां अंडे देती हैं और नेक्टर प्लांट से भोजन प्राप्त करती हैं। तितलियों के अंडे से 7-8 दिनों में केटरपिलर यानी लार्वा निकलता है। केटर पिलर, होस्ट प्लांट की पत्तियां खाकर 12-1× दिन में प्यूपा (सुनहरे रंग के मोती) में बदल जाता है। उसके बाद 12-14 दिनों में प्यूपा से तितली निकलती है। इनका जीवन ×0 से 45 दिनों का होता है। आने वाले दिनों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग द्वारा फिलहाल नर्मदा कि बैक वाटर में सैलानियों को कई तरह की सुविधा देने के लिए वन विभाग ने तैयारियां की है। जिसमें वोटिंग के साथ-साथ वर्ड वाचिंग और अन्य कई तरह की सुविधाओं से इसे लेश किया जा रहा है। डम की भीतरी नहीं डम के बाहर भी बड़ी संख्या में तितलियों का अद्भुत संसार बसाने की भी तैयारी है। बहरहाल तितलियों के इस अद्भुत संसार में आप भी नर्मदा के इस बैक वाटर क्षेत्र मे पहुंच कर तितलियों के इस रंग बिरंगी अद्भुत संसार में खुद को तरोताजा करें।

रिश्वत में खोया सम्मानः सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज का एक्सीलेंस अवार्ड रद्द

भोपाल। सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज के रिश्वत लेने के आरोपों का खुलासा होने के बाद पदक वापस लिया गया।सीबीआई की टीम ने इस साल मई में राहुल राज को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। सीबीआई अधिकारियों ने रिश्वत देने वाले भोपाल के मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के चेयरमैन अनिल भास्करन, प्रिंसिपल सुमा भास्करन और एक दलाल सचिन जैन को भी गिरफ्तार किया था। सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज को 202× में होम मिनिस्ट्री की तरफ से जांच में उत्कृष्टता के लिए पदक दिया गया था। राज पर मध्य प्रदेश

में नर्सिंग कॉलेजों की निरीक्षण रिपोर्ट में हेराफेरी करने के एवज में रिश्वत लेने का आरोप है। आरोपों का खुलासा होने के बाद ही उनसे पदक वापस लेने का फैसला किया गया। इस साल मई में नर्सिंग कॉलेज घोटाले मामले में सीबीआई की दिल्ली टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रा'य के अलग अलग शहरों में छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई की टीम ने राहुल राज समेत 1× लोगों को गिरफ्तार किया था। टीम ने राहुल राज को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। सीबीआई अधिकारियों ने रिश्वत देने वाले भोपाल के मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के चेयरमैन अनिल भास्करन, प्रिंसिपल सुमा भास्करन और एक दलाल सचिन जैन को भी गिरफ्तार किया था। रिश्वत लेने के आरोपों के बाद सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज को बर्खास्त कर दिया गया था।

2022 में सीबीआई ने शुरू की थी मामले की जांच

मध्य प्रदेश उ'च न्यायालय के आदेश के आधार पर अक्टूबर 2022 में सीबीआई ने नर्सिंग कॉलेजों में हुई अनियमितताओं की शिकायत के बाद जांच शुरू की थी। नर्सिंग घोटाला व्यापमं घोटाले के बाद यह दूसरा बड़ा घोटाला है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच द्वारा इस मामले को केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को सौंप दिया गया था। मध्य प्रदेश उ'च न्यायालय के आदेश के आधार पर अक्टूबर 2022 में सीबीआई ने इस मामले की जांच शुरू की थी।

आवारा कुत्तों का आतंक : लहूलुहान हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

ग्वालियर। आवारा कुत्तों का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। नए साल में यह आवारा कुत्ते और 'यादा खूंखार हो गए हैं, ताजा मामला शहर के मुरार स्थित जहांगीरपुर से सामने आया है। जहां घर के बाहर खेलते समय 2 साल के मासूम पर आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला बोल दिया। परिजनों ने उसे कुत्तों से बचाया और अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका इलाज शुरू हुआ। मासूम के चेहरे पर गंभीर जख्म आने के साथ हाथ पैर सहित अन्य जगह भी गंभीर चोटें आई है। 2 साल का मासूम बादल अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी अचानक आपस में लड़ रहे दो आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया और दोनों ही मासूम बादल को अपने जबड़े से नोचने लगे, देखते ही देखते आवारा कुत्तों ने मासूम को लहूलुहान कर दिया। जैसे ही ब'चे की चीख पुकार सुनी परिजन दौड़कर घर के बाहर पहुंचे और पत्थर लाठी मार कर आवारा कुत्तों को भगाया। इस दौरान आवारा कुत्तों ने लोगों पर भी हमला करने का प्रयास किया। बादल के पिता वीरू उसे गंभीर हालात में जयारोग्य अस्पताल के पीएसएम विभाग लेकर पहुंचे। जहां एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने के बाद मासूम का उपचार शुरू हुआ। ग्वालियर में डॉग बाइट के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। क्योंकि मंगलवार को ही जयारोग्य अस्पताल और जिला अस्पताल में 169 मामले डॉग बाइट के पहुंच चुके हैं। इनमें जयारोग्य अस्पताल में 84 वहीं मुरार जिला अस्पताल में 85 मामले सामने आए। शहर में रोजाना आवारा कुत्ते लोगों पर हमला कर रहे हैं। इनमें सबसे 'यादा सॉफ्ट टारगेट मासूम ब'चे और बुजुर्ग है।

'मादक पदार्थों से 'यादा खतरनाक नशा मोबाइल और इंटरनेट', जैन मुनि श्री सुधाकर जी महाराज ने 2025 के लिए लोगों को दिलाया संकल्प

जबलपुर। नशा मुक्ति और समृद्ध समाज की परिकल्पना लेकर पदयात्रा पर निकले मुनि श्री सुधाकर महाराज जी के जबलपुर प्रवास के दूसरे दिन उन्होंने प्रवचन करते हुए नूतन वर्ष 2025 के लिए लोगों को नए संकल्प दिलाए। मुनिश्री सुधाकर महाराज जी ने कहा कि आज हमें संकल्प लेना चाहिए, यदि हम समय का सम्मान करेंगे तो समय हमारा सम्मान करेगा। मुनिश्री ने कहा कि यदि हम समय के साथ टाइम पास करेंगे तो फिर निश्चित ही समय भी हमारे साथ खिलवाड़ करेगा। मुन्नी श्री सुधाकर महाराज जी ने कहा कि यदि हम समय का सार्थक इस्तेमाल करेंगे तो समय भी हमें सार्थक बनाएगा। मुनि श्री ने आगे कहा कि यदि हम समय का सदुपयोग करेंगे तभी समय हमें उपयोगी बनाएगा।मुनि श्री सुधाकर महाराज जी ने कहा कि यदि आपको अपना जीवन मूल्यवान और सफल बनाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को साल 2025 में ये संकल्प लेना होगा। मनुष्य को अपने जीवन की डिक्शनरी से चार शब्द किंतु, परंतु, अगर, मगर निकाल देंगे तो आप कोई भी बहाना नहीं बना पाएंगे ओय फिर जीवन में ऐसा कोई काम नहीं है जिसे नहीं किया जा सकता। मुनि श्री ने कहा कि जैसा आप संकल्प लेते हैं वैसा आपको फल मिलता है, मुनि श्री ने कहा कि शुभ भविष्य को देखते हुए शुभ देखो, शुभ बोलो, शुभ लिखो, शुभ करो जीवन में सफलता मिलना निश्चित है।मुनि श्री सुधाकर महाराज जी ने कहा कि आज के इस दौर में लोगों की नाकामयाबी और असफलता का सबसे बड़ा कारण उनमें पनपती बहाना साइट्स नाम की बीमारी है। मुनि श्री सुधाकर महाराज जी ने कहा कि लोग काम न करना पड़े या मेहनत न करना पड़े उसके लिए बहाना ढूंढने लगते हैं और यही बहाना बनाने की बीमारी उनके नाकामयाबी का और दुख का कारण बनती है।

मादक पदार्थ से 'यादा खतरनाक है इंटरनेट कनेक्शन- मुनि श्री सुधाकर महाराज जी ने युवा पीढ़ी में बढ़ रहे नशे और मोबाइल की लत को लेकर भी कहा कि, आज की युवा पीढ़ी ने नशे को अपना स्टेटस सिंबल बना लिया है। महाराज जी ने कहा मादक पदार्थों से 'यादा खतरनाक नशा मोबाइल और इंटरनेट का नशा है जिसमें युवा पीढ़ी धंसती चली जा जा रही है। मुनि श्री ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को संकल्प लेना होगा कि नशा न केवल व्यक्ति का नाश करता है बल्कि व्यक्तित्व का भी विनाश करता है।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निःशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या BoCW कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा।

आज खुलेंगे 60 जिलों के बीजेपी जिलाध्यक्षों के लिफाफे

आज जिला निर्वाचन अधिकारियों से होगी वन-टू-वन चर्चा, रिपिट हो सकते हैं दर्जन भर जिलाध्यक्ष

भोपाल (नप्र)। आज से नए साल 2025 का आगाज हो रहा है। बीजेपी के संगठनात्मक 60 जिलों में जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर रायशुमारी पूरी हो गई है। सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की रायशुमारी के आधार पर आज से जिलाध्यक्ष के लिए पैनल तैयार किए जाएंगे।

जिसके पक्ष में सबसे ज्यादा लोग पैनल में वो सबसे ऊपर: जिले में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा लोगों ने दिया है, पैनल में उसका नाम सबसे ऊपर रहेगा। आज निर्वाचन अधिकारी नाम के लिफाफों को खोल कर मेरिट के आधार पर पैनल तैयार करेंगे।

आज होगी जिले वार वन-टू-वन चर्चा: भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी सरोज पांडेय, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के अलावा प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी जिले वार निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा करेंगे। इसमें पैनल के नामों पर डिस्कशन होगा।

जिलाध्यक्ष का पैनल कैसे होगा तैयार: सभी 60 संगठनात्मक जिलों के लिए एक-एक जिला निर्वाचन अधिकारी और दो-दो सह निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

किए थे। इन जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अपने आवंटित जिले में जाकर राय शुमारी की। इसमें विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, मोर्चा-प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष, जिले में निवास रत प्रदेश पदाधिकारी, वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की गई।

हर नेता से जिलाध्यक्ष के लिए पांच नामों का पैनल मांगा गया। इसमें पहले तीन नामों में महिला का नाम भी मांगा गया।

जिले के जातिगत समीकरण के हिसाब से भी एक नाम मांगा गया। सभी नेताओं ने अपने नाम बंद लिफाफे में निर्वाचन अधिकारियों को दिए।

पैनल में शामिल नेताओं का ट्रैक रिकॉर्ड भी देखा जाएगा: बीजेपी के मंडल अध्यक्षों के चुनाव में 100 से ज्यादा शिकायतें आई थीं। इनमें कई शिकायतें उम्र छिपाने को लेकर आई थीं। अब जिलाध्यक्ष की पैनल में शामिल तीन दावेदारों की उम्र के दस्तावेज देखे जाएंगे। इसके अलावा यह भी देखा जाएगा कि कोई आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं हैं। पार्टी के खिलाफ काम करने के मामले में कोई पहले कार्रवाई तो नहीं हुई है।

रिपिट हो सकते हैं दर्जन भर जिलाध्यक्ष: करीब एक दर्जन ऐसे जिलाध्यक्ष हैं जिन्हें फिर से मौका मिल सकता है। हालांकि बीजेपी संगठन चुनाव के पदाधिकारियों का कहना है कि कार्यकाल नया ही माना जाएगा। यानी चुनाव प्रक्रिया के बाद तीन साल के लिए इनकी नियुक्ति मानी जाएगी।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

बच्चों के लिये प्रेरक कॉमिक बुक - 'अटकन-चटकन'

इंदौर। कॉमिक बुक अर्थात चित्रकथा पत्रिकाओं का दौर वर्तमान में भले ही समाप्त हो चुका है, लेकिन बच्चों में जागरूकता लाने के लिये मनीषा पाठक (वर्तमान में ए.एस.पी. रेल) की संकल्पना के आधार पर

द्वारा अटकन-चटकन, सुरक्षित बचपन नाम से सहज और सुदंर तरीके से कॉमिक बुक तैयार कर प्रकाशित की गई है। उक्त कॉमिक्स बुक का प्रकाशन झाबुआ पुलिस द्वारा किया गया है। इस बुक में दिल छू लेने वाले प्रेरणास्पद चित्रांकन है। यह कॉमिक बुक शिक्षा के महत्व, जागरूकता, साइबर अपराध और बालक-बालिकाओं के विरुद्ध घटित आपराधिक एवं मानसिकता को उजागर करती है। बच्चों को सजग और सचेत करती है। यह एक प्रेरक, ज्ञानवर्धक कॉमिक बुक है। उक्त प्रेरक कॉमिक बुक %अटकन-चटकन% का प्रकाशन पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण जोन इंदौर अनुराग जैन की प्रेरणा और पुलिस उप महानिरीक्षक ग्रामीण जोन इंदौर निमिष अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुआ है। उक्त पत्रिका प्रेरक, पठनीय व संग्रहणीय है। उसकी छपाई भी सुंदर, मोहक है। कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी द्वारा सुंदर चित्रांकन किया गया है। झाबुआ पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल, उप पुलिस अधीक्षक कमलेश शर्मा, रामराज परमार का प्रयास उक्त प्रकाशन में महत्वपूर्ण है।

यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा पीथमपुर में होगा नष्ट

इंदौर। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदी और भोपालको कभी ना भूलने वाला ज़ख्म देने वाली यूनियन कार्बाइड एक बार फिर सुर्खियों में है। इस फैक्ट्री में सालों से रखे ज़हरीले कचरे को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूनियन कार्बाइड (यूका) फैक्ट्री के गोदाम में रखा 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को भोपाल से 250 किलोमीटर दूर पीथमपुर में नष्ट किया जाएगा। इसे ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। हालांकि इंदौर और पीथमपुर कचरे के नष्टीकरण को लेकर इसका विरोध भी शुरू हो गया। गैस राहत विभाग के मुताबिक, फैक्ट्री में करीब 337 मीट्रिक टन ज़हरीला कचरा मौजूद है, जिसमें सीवन नाम का वो कीटनाशक भी है, जिसका उत्पादन भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में होता था और हादसे के बाद बचा हुआ कीटनाशक जो अत्यंत ज़हरीला है यहां से हटाया जाएगा। इसके अलावा जिस एमआईसी गैस के लीक होने से हज़ारों लोगों की मौत हुई थी वो नेफ्थॉल से बनाई जाती थी। आज भी यह नेफ्थॉल फैक्ट्री परिसर में है, इसे भी हटाया जायेगा।इसके अलावा कई अन्य तरह के केमिकल जो यहां इस्तेमाल होते थे, वो रिएक्टर जिसमें कीटनाशक बनते थे और परिसर की मिट्टी जिसके ज़हरीले होने का शक है उन सब को यहां से हटाकर पीथमपुर में नष्ट किया जायेगा। इस काफिले के साथ पुलिस की गाड़ियां और एम्बुलेंस रहेगी जिससे आपात स्थिति में काफिले के साथ मौजूद स्टाफ को ज़रूरत पड़ने पर त्वरित मेडिकल सहायता उपलब्ध हो सकेगी।

ऑटो ड्राइवर पर लगाया 16 लाख का जुर्माना, जरा सी लापरवाही पड़ गई भारी

इंदौर। अदालत ने एक सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को न्याय देते हुए ऑटो रिक्शा के चालक को 16 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है, 2021 में हुए इस हादसे में एक ऑटो रिक्शा ने दूसरी रिक्शा को टक्कर मार दी थी, जिससे एक व्यक्ति का पैर काटना पड़ा था, कोर्ट ने पाया कि ऑटो चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ था, चूंकि ऑटो का इंश्योरेंस नहीं था इसलिए अदालत ने चालक को ही मुआवजे का भुगतान करने का जिम्मेदार ठहराया,बता दें कि पीड़ित ने मुआवजे के लिए कोर्ट में क्लेम किया था. इसमें उसने रिक्शा मालिक और चालक दोनों से 15 लाख रुपए मुआवजा दिलाने की गुहार लगाई थी, सुनवाई के दौरान यात्री रिक्शा में मोटर व्हीकल एक्ट के उल्लंघन के लिए बीमा कंपनी को जिम्मेदार नहीं पाया गया, वहीं, टक्कर मारने वाले रिक्शा का बीमा नहीं था, कोर्ट ने इसके मालिक (चालक) को जिम्मेदार मानते हुए जिस व्यक्ति का पैर काटना पड़ा उसे 15.68 लाख रुपए और अन्य घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया.यह घटना 15 मार्च 2021 की है. जब बड़वानी जिले के सेंधवा निवासी मंशाराम बरडे, उनकी पत्नी काशी, रिश्तेदार चंपा लाल बरडे, राकेश, किरण समेत 6 लोग ऑटो रिक्शा में सफर कर रहे थे. तभी चाचरिया रोड (सेंधवा) पर एक ऑटो चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा पलट गया,इस दुर्घटना में मंशाराम का एक पैर बुरी तरह से घायल हो गया. उनके शरीर पर भी चोटें आई. मंशाराम को इलाज के लिए पहले सेंधवा सरकारी अस्पताल लाया गया और फिर एमवाय अस्पताल इंदौर रेफर कर दिया गया. लेकिन यहां से भी उन्हें निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा।

खनिज का अवैध परिवहन करने वाले 54 वाहनों को किया गया जप्त

इंदौर। जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में आज अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में खनिज विभाग के अमले ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के सहयोग से बड़ी कार्यवाही की है। यह कार्यवाही खनिजों के अवैध परिवहन के संबंध में की गई है। बताया गया कि आज मुहिम चलाकर खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान खनिज मुरम के अवैध परिवहन से संबंधित एक डंपर वाहन एवं खनिज रेत के अवैध परिवहन से संबंधित 53 डंपर वाहन सहित कुल 54 वाहनों पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही में अवैध परिवहन हेतु जप्त समस्त वाहनों पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगामी कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्यवाही से वैध रेती मंडी की आड़ में अवैध रूप से कारोबार करने वाले लोगों पर कार्यवाही की गई है। खनिज विभाग की इस कार्यवाही से शासन को लगभग डेढ़ करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी।

दिसंबर ने तोड़े रिकार्ड, जनवरी रहेगा सामान्य, 90 साल पहले माइनस 1.1 डिग्री पर पहुंचा था पारा

इन्दौर। ठंड के सबसे प्रमुख महीने माने जाने वाले जनवरी की शुरुआत हो चुकी है। शहर में जनवरी में ही ठंड का ज्यादा असर देखने को मिलता है। जनवरी में ही इंदौर के इतिहास का सबसे कम तापमान भी दर्ज हो चुका है। अब से 90 साल पहले 16 जनवरी 1935 को इंदौर में तापमान गिरकर पहली बार माइनस 1.1 डिग्री पर पहुंच गया था और इंदौर में कश्मीर जैसी स्थिति बन गई थी।

मौसम विभाग के मुताबिक ऐसा नहीं है कि जनवरी हमेशा ठंडा ही रहता है, 35 साल पहले 27 जनवरी 1990 को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री पर पहुंचा था, जबकि जनवरी माह में सामान्य रुप से तापमान 26 से 28 डिग्री बीच ही रहता है। जनवरी में ठंड और गर्मी के साथ बारिश भी देखी जाती है। अब से 105 साल पहले 1920 में इंदौर में 4.1 इंच बारिश हुई थी। इसी साल 6 जनवरी को एक ही दिन में 3.2 इंच बारिश हुई थी, जो जनवरी की इतिहास में 24 घंटे में दर्ज सर्वाधिक बारिश भी है। इस बार दिसंबर में न्यूनतम तापमान गिरकर 8.6 डिग्री तक जा चुका है। यह 11 दिसंबर को रिकार्ड किया गया था। इसके बाद तापमान में बढ़त रही। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बार जनवरी में तापमान के बहुत ज्यादा नीचे जाने के आसार नहीं है और पहला सप्ताह तापमान 11 से 14 डिग्री के बीच रही रहने की संभावना है। अगले मंगलवार को तापमान के गिरकर 8-9 डिग्री तक जाने के भी आसार हैं

साल के आखिरी दिन और रात रहा सामान्य से ज्यादा तापमान

विमानतल स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा था, वहीं रात का न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा, लेकिन परसो रात की अपेक्षा 1.8 डिग्री कम था। इस दौरान उत्तर-पूर्वी हवाएं चलीं, जिनकी अधिकतम गति 20 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। तापमान के सामान्य से ज्यादा होने के कारण लोगों को ठंड से राहत मिली।

पिछले 10 सालों में 2019 रहा सबसे ठंडा

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 10 सालों में 2019 सबसे ज्यादा ठंडा रहा है। 29 जनवरी 2019 को तापमान गिरकर 5.6 डिग्री पर पहुंचा था, जो 10 सालों का सबसे कम तापमान है। वहीं इससे ठीक एक साल पहले 2018 में दिसंबर में सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री के रुप में दर्ज हुआ था, जो पिछले 10 सालों का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। पिछले साल न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक ही पहुंचा था, जो 21 जनवरी को रिकार्ड किया गया था। पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री रुप 31 जनवरी 2016 को दर्ज हुआ था।

रेप केस में तुरंत न्याय दिलाएं: सीएम मोहन यादव

इंदौर। शहर में चार साल की बच्ची से रेप के मामले में विरोध बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार रात द्वारकापुरी थाने के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया है। एक की उम्र 17 और एक की उम्र 12 साल है। 17 वर्षीय आरोपी को बाल सुधार गृह भेजा है, दूसरे आरोपी को परिजन के पास ही रखा गया है। द्वारकापुरी थाने के टीआई आशीष सप्रे ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तुरंत ही एफआईआर दर्ज कर ली थी। पाक्सो में केस दर्ज किया गया है। पड़ोसियों के बयान होना बाकि हैं, जल्द ही चालान पेश कर दिया जाएगा। परिजन आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जो भी न्याय संगत होगा कार्रवाई की जाएगी। द्वारकापुरी इलाके में शुक्रवार दोपहर 4 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया था। बच्ची को घर में अकेला देख 17 वर्षीय नाबालिग ने दुष्कर्म किया। आरोपी एक नाबालिग साथी को घर के बाहर खड़ा कर छत के रास्ते बच्ची के घर में घुसा था। घटना से बालिका बेसुध हो गई थी। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा था। दूसरे आरोपी की उम्र 12 साल है।

बुलडोजर एक्शन पर अड़े बालिका के परिजन

बालिका के परिजन मांग कर रहे हैं कि केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाना चाहिए और आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए। मंगलवार रात लोग प्रेम प्रकाश आश्रम पर जमा हुए और यहां से फूटी कोठी तक गए। चौराहे पर घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया। भाजपा के पार्षद राकेश जैन भी लोगों के बीच पहुंचे और लोगों के साथ पुलिस से बात की। पुलिस को बताया कि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि बच्ची के साथ गलत करने वाले आरोपी सिकलीगर परिवार से हैं। उनका इलाके में आतंक है।

अमृत-2 : एक हजार करोड़ से अधिक के कार्य निगम ने किए मंजूर

इंदौर। नगर निगम का दावा है कि अमृत-2 के तहत जहां शहर में नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं सम्पूर्ण शहर का सीवरेज नेटवर्क भी तैयार हो रहा है। एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के कार्य मंजूर किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत कान्ह नदी के जीर्णोद्धार की भी योजना तैयार है, साथ ही शहरी सीमा में शामिल 29 गांवों में भी सीवरेज कलेक्शन और उसके उपचारण की व्यवस्था की जा रही है, साथ ही 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के मद्देनजर भी शिप्रा नदी में शुद्ध जल प्रवाहित हो, इसके लिए ट्रीटमेंट प्लांट तैयार होंगे। आज से शुरू हुए नए साल 2025 में सीवरेज प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य की जानकारी निगम के जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने दी है।शर्मा के मुताबिक महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशन में केन्द्र और राज्य सरकार के सहयोग से शहर में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और अमृत-2 के तहत बड़े पैमाने पर सीवरेज नेटवर्क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सीवरेज सिस्टम को अत्याधिक उन्नत करने के लिए एस.बी.आर. टेक्नालॉजी आधारित अतिरिक्त सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट्स के निर्माण एवं 15 वर्ष का संचालन-संधारण हेतु कार्य योजना राशि 511.15 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजनान्तर्गत महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा के समीप 35 एम.एल.डी. क्षमता का एस.टी.पी. निर्माण एवं समृद्ध कार्य किए जाना है, जिससे पश्चिम क्षेत्र की स्कीम नं-71, राजमोहल्ला, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट रोड की कॉलोनियां, सुनिधि नगर, हम्माल नगर इत्यादि कालोनियों के रहवासियों को सीवर लाइनों में बैक फ्लो होने एवं निचले क्षेत्रों में चेम्बर ओवर फ्लो होने की समस्या के छुटकारा मिलेगा, वहीं अमृत-2 योजनांतर्गत वर्ष 2014 में सम्मिलित हुए बिचौली मर्दाना, बिचौली हप्सी, कनाडिया, भूरी टेकरी, श्रीजी हाइट्स, श्रीजी वैली, श्याम हाइट्स, सिटी फॉरेस्ट, टिगरियाराव, मायाखेड़ी, ओमेक्स सिटी-1 एवं आस-पास के क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने एवं सुदामा नगर सेक्टर-डी, ई, छावनी, सुखनिवास कांकड़, सुखनिवास, कुंदन नगर, विदुर नगर टेकरी, आकाश नगर, अहीरखेड़ी कांकड़, प्रजापत नगर, सांईबाबा नगर, गोंदवले धाम, श्रद्धापुरी कालोनी, द्वारकापुरी, आशीष नगर, आकाश नगर, कुंदन नगर, श्रीराम नगर, अहीरखेड़ी सहित अन्य जगह इससे जुड़े कार्य होंगे।

स्वयंसेवको का घोषवादन कार्यक्रम 3 जनवरी को

इंदौर। संघ सुप्रीमो मोहन भागवत का मालवा और निमाड़ में तीन दिन का दौरा 3 जनवरी से शुरू होने वाला है। इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, वहीं कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ नए कार्यालय सुदर्शन के आसपास भी पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भागवत इंदौर में दशहरा मैदान पर होने वाले घोष वादन कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में 28 जिलों के स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसके साथ-साथ वह निमाड़ क्षेत्र में ओंकारेश्वर और मंडलेश्वर में आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। इसके साथ ही कुछ और कार्यक्रम भी हैं, जो संघ स्तर पर होंगे।मालवा और निमाड़ में संघ की गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही हैं और इसी से आंदोलनों को भी ताकत मिलती है। अब राष्ट्रीय स्तर पर भी यहां आयोजन होने लगे हैं। मालवा प्रांत में कुल 28 जिले आते हैं। इन जिलों के चुनिंदा स्वयंसेवको का घोषवादन कार्यक्रम 3 जनवरी को दशहरा मैदान पर होने जा रहा है। घोषवादन संघ का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है, जिसकी एक अलग ही विंग होती है। यह सभी आयोजन संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर किया जा रहे हैं। संघ के प्रमुख मोहन भागवत 2 जनवरी की शाम या फिर 3 जनवरी को ही इंदौर पहुंचेंगे और यहां तीन दिन तक रहेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी भी शामिल होंगे। 3 जनवरी की दोपहर दशहरा मैदान में होने वाले कार्यक्रम में 1000 स्वयंसेवक घोषवादन की प्रस्तुति तो देंगे ही इसके साथ-साथ दूसरे स्वयंसेवकों को भी वे संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कई स्वयंसेवक अपने परिवार सहित भी शामिल होंगे। इसके साथ ही समाज के प्रमुख लोगों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ने की तैयारी की गई है। संघ प्रमुख के आगमन की तैयारी को देखते हुए सुदर्शन कार्यालय की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, वहीं सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर रखा है। भागवत इंदौर का कार्यक्रम संपन्न करने के बाद ओंकारेश्वर पहुंचेंगे, जहां साध्वी ऋतंभरा के आश्रम में वे ठहर सकते हैं। यहां भी एक बड़ा आयोजन कुटुंब प्रबोधन कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। इस आयोजन में भी स्वयंसेवक अपने परिवार के साथ शामिल हो रहे हैं। इसके साथ-साथ मंडलेश्वर में भी एक आयोजन होगा, जहां वे एक गौशाला में जाएंगे। इंदौर में भी पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन द्वारा देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार का कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें संघ प्रमुख शामिल होंगे। शहर के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में होने वाले इस आयोजन में विहिप के चंपत राय को यह पुरस्कार दिया जाएगा। राय यह पुरस्कार अयोध्या आंदोलन में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों की ओर से लेंगे। संघ प्रमुख के कुछ और कार्यक्रम भी रहेंगे, जो संघ स्तर पर ही रखे गए हैं।

आर्थिक सहायता के साथ दिव्यांगों को भी मदद, महिलाओं को स्वावलंबी बनाया : कलेक्टर सिंह

इन्दौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने अपने एक साल के कार्यकाल में दरियादिली दिखाते हुए न केवल गरीबों को शिक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान की, बल्कि दिव्यांगों की भी मदद की, वहीं महिलाओं के हाथों मे सिलाई मशीन देकर स्वावलंबी बनाया। इसके अलावा युवाओं को नौकरी दिलाने के साथ-साथ उन्हें कौशल उन्नयन के लिए प्रेरित भी किया है। समाज के हर वर्ग की मदद करते हुए 2 करोड़ 57 लाख रुपए की आर्थिक सहायता रेडक्रास के माध्यम से लगभग डेढ़ हजार लोगों को उपलब्ध कराई ।

2024 का कार्यकाल इंदौर प्रशासन ने जरूरतमंदों और बीमारी के इलाज के लिए खुले हाथों से मदद करने में तय किया। 2025 के लिए टारगेट के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी तैयार हैं। यदि पूर्व के आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो रेडक्रॉस निधि के माध्यम से कलेक्टर ने दो करोड़ 57 लख रुपए से अधिक की राशि का उपयोग कर न केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है, बल्कि गरीब तबके के परिवारों को इलाज के रूप में एक करोड़ 48 लख रुपए से भी अधिक की सहायता मुहैया कराई है। शिक्षा के लिए 45 लाख रुपए खुले हाथों से जहां खर्च किए गए, वहीं सिर्फ मदद के लिए हाथ बढ़ाने से बेहतर उपाय निकलते हुए कलेक्टर आशीष सिंह ने जरूरतमंदों के हाथों में हुनर देने की भी पहल की है। हजारों युवाओं को कौशल योजना के तहत कुशल कारीगर बनाया गया है।

आमतौर पर जनसुनवाई व कलेक्टर की समक्ष सुनवाई में दिव्यांगों और अन्य

जरूरतमंदों की हाथ मदद मांगने के लिए आगे आते रहे हैं, जिसे देखते हुए उन्होंने दिव्यांगों को हुनरमंद बनाने के लिए कंपनियों से अनुबंध कर कौशल परीक्षण कराया है। शिक्षा के क्षेत्र में 190 छात्रों की मदद करते हुए 45 लाख रुपए की सहायता जहां दी है, वही होनहार 7 छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए लैपटॉप उपलब्ध कराया है। ज्ञात हो कि पूर्व कलेक्टर द्वारा दिव्यांगों को मदद के तौर पर 600 से अधिक दो पहिया वाहन निशुल्क उपलब्ध कराए गए थे, जिनका दुरुपयोग रोकने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने मोट्रेट ट्राईसाइकिल वितरण शुरू किया। 60 से अधिक व्हीकल रेडक्रॉस निधि के माध्यम से बांटे गए हैं। गंभीर बीमारियों से पीड़ित 413 मरीज को एक करोड़ 48 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ आयुष्मान योजना का भी लाभ दिलवाया गया है।

किसी का घर टूटा तो कोई पानी में डूबाज किसी की फसल नष्ट हुई तो किसी को सर्प ने डस लियाज्सभी को मदद

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के रहवासियों को 21 लाख की मदद पहुंचाई। आपदा में 28 ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त होने पर उन्हें 16 लाख 9200 की क्षतिपूर्ति के रूप में दिए गए है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में फसल खराब होने के 24 मामले सामने आए थे, जिसमें 20 लाख 5508 रुपए मुहैया कराए गए हैं, वहीं 36 मौत पानी में डूबने के कारण हुई थी, जिसकी क्षतिपूर्ति भी दिलाई गई है। सांप डसने के 9 मामलों में 36 लाख रुपए सरकारी मद से दिलवाए जा चुके हैं। आगजनी की घटना में मकान और फसल जलने के भी 43 मामले प्रकाश में आए थे, जिन पर तुरंत संज्ञान लेते हुए 8 लाख 49 हजार की राशि मुहैया कराई गई है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नये वर्ष का उपहार

''वय-वंदना आयुष्मान कार्ड'' बनाने के कार्य में गति लाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अग्रिम प्रोत्साहन राशि

इंदौर। आयुष्मान भारत भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिवर्ष पाँच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है, जिससे उन्हें आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मानपूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सके। वर्तमान में इंदौर जिले में वयोवृद्ध जनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम कलेक्टरआशीष सिंह के आदेशानुसार आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में गति लाने के लिए 744 शहरी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एक हजार रुपये राशि का अग्रिम भुगतान उनके खातों में किया जा रहा है। साथ ही साथ आशा कार्यकर्ताओं को पूर्ववत 05 रुपये प्रति कार्ड के मान से दिए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में एक बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग एवं जिला महिला एवं बाल विकास के कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में आयुष्मान कार्ड बनाने में आ रही तकनीक समस्याओं का समाधान भी किया गया। योजना के महत्वपूर्ण घटक प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, उनकी आय की परवाह किए बिना, स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने की मंजूरी दी है एवं 29 अक्टूबर 2024 को योजना का शुभारंभ हो चुका है। योजना हेतु पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा तथा पंजीकरण के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को क्कक्क्ष्छ्ड्ड के तहत वय-वंदना आयुष्मान कार्ड जारी किया जा रहा है, जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के हैं और जिनके परिवार पहलों से ही क्क क्क्ष्छ्ड्ड के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रुपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे।

यूनियन कार्बाइड के 'जहर' को लेकर महापौर का विरोध, पुष्यमित्र भार्गव जाएंगे कोर्ट!

इंदौर। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को नष्ट करने की योजना को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। इस कचरे को इंदौर के नजदीक पीथमपुर स्थित रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड के प्लांट में नष्ट करने की प्रक्रिया पर कई स्थानीय लोग, संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने अपनी आपत्ति जताई है। अब इस विरोध को इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव का समर्थन मिल गया है।महापौर भार्गव ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को रोकने और जनता की चिंताओं का समाधान करने के लिए पुनर्विचार की जरूरत है। उन्होंने कहा, %यह मामला बेहद संवेदनशील है और इससे पीथमपुर की जनता के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। राज्य शासन के अधिकारियों से चर्चा करके इस प्रक्रिया को रोकने और न्यायालय से पुनर्विचार की अपील की जाएगी।%

भोपाल गैस त्रासदी से जुड़ा कचरा

यूनियन कार्बाइड का यह कचरा भोपाल गैस त्रासदी से जुड़ा है, जो विश्व की सबसे भयावह औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक मानी जाती है। 40 साल पहले 2-3 दिसंबर 1984 की रात हुई इस त्रासदी में हजारों लोगों की मौत हुई और लाखों लोग प्रभावित हुए। इस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री में करीब 377 मीट्रिक टन जहरीला कचरा रह गया, जो अब तक सुरक्षित तरीके से नष्ट नहीं किया जा सका है।

कोर्ट ने दिया है आर्डर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। आदेश के अनुसार, इस कचरे को भोपाल से ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से 250 किमी दूर पीथमपुर ले जाया जा रहा है, जहां इसे रामकी फैक्ट्री में नष्ट किया जाएगा।

जनता और संगठनों की चिंता

स्थानीय निवासियों और पर्यावरणविदों ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि जहरीले कचरे को पीथमपुर ले जाने से यहां के लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को गंभीर खतरा हो सकता है। कई संगठनों ने दावा किया है कि रामकी फैक्ट्री में इस कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया से जहरीली गैसों और कचरे का रिसाव हो सकता है, जो आसपास के क्षेत्र को प्रभावित करेगा।

अधिकारियों से चर्चा करने का दिया आश्वासन

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस मामले पर राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो न्यायालय से पुनर्विचार की अपील की जाएगी। वहीं स्थानीय जनता ने भी इस मुद्दे पर एकजुट होकर प्रदर्शन तेज करने का निर्णय लिया है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 02 जनवरी , 2025

संपादकीय | ट्रंप के ऑर्डर होते ही भारतीयों की होगी बल्ले-बल्ले

आव्रजन नीति को लेकर नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख बदल गया दिखता है। निश्चित तौर पर भारत से वहां गए लोगों के लिए यह राहत की बात है। हालांकि इस मसले पर ट्रंप के समर्थकों का एक समूह उनका विरोध कर रहा है। दरअसल, ट्रंप ने एच1बी वीजा को बरकरार रखने पर सहमति दे दी है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे लेकर विवाद छिड़ गया था। इस बार भी चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने अमेरिका प्रथम की नीति पर आगे बढ़ने और आव्रजन नीतियों को कड़ा बनाने का मुद्दा उठाया था। मगर भावी ट्रंप प्रशासन में शामिल किए गए उद्योगपति एलन मस्क और भारतीय मूल के तकनीकीविद विवेक रामास्वामी ने इस पर प्रतिबंध लगाने का विरोध कर दिया।

खबरों के मुताबिक, मस्क ने तो यह भी कह दिया कि वे एच1बी वीजा को बचाए रखने के लिए युद्ध तक करने को तैयार हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव अभियान में मस्क खुल कर ट्रंप के समर्थन में रहे। उनका कहना है कि एच1बी खत्म होने से कंपनियों के लिए बाहर से कुशल तकनीशियनों और विशेषज्ञों को लाना संभव नहीं हो पाएगा। रामास्वामी ने भी तर्क दिया कि इससे न केवल कंपनियों, बल्कि अमेरिका का भी बड़ा नुकसान होगा।

एच1बी पर प्रतिबंध लगने से सबसे अधिक भारतीय नागरिकों के सामने संकट पैदा हो सकता था। अमेरिका हर साल करीब पैंसठ हजार कुशल तकनीशियनों, चिकित्सकों आदि की भर्ती करता है, जिसमें से करीब पैंतालीस हजार भारतीय होते हैं। यानी हर दस में से सात विशेषज्ञ भारतीय होता

है। हाल ही में आई एक रपट के मुताबिक अमेरिका में करीब सवा तीन लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। एच1बी वीजा उन्हीं लोगों को दिया जाता है, जिन्हें कंपनियां अपनी जरूरत के मुताबिक भर्ती करती हैं। इस वीजा की अवधि तीन साल की होती है और जरूरत पड़ने पर उसे और तीन साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका में रह रहे बहुत सारे विशेषज्ञ इसी वीजा के तहत गए हैं। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में जब इस वीजा पर प्रतिबंध लगा दिया, तो लाखों विशेषज्ञों और पेशेवरों के सामने संकट पैदा हो गया था। इस दृष्टि से बेशक दबाव में ट्रंप ने अपना रुख बदल लिया है, अमेरिका में बेहतर भविष्य की तलाश करने वाले हजारों भारतीयों के लिए यह बहुत राहत की बात है। दरअसल, राजनेता नीतियों में बहुत सारे बदलाव अपना जनाधार बढ़ाने के मद्देनजर कर लेते हैं। एच1बी वीजा को लेकर ट्रंप का रुख भी कुछ वैसा ही था। जब वे पहली बार राष्ट्रपति चुनाव लड़े थे, तब भी विदेशी नागरिकों, खासकर भारतीय मूल के लोगों पर निशाना साधते हुए अमेरिकी युवाओं को भरोसा दिलाया था कि वे बाहरी लोगों से छीन कर उनका हक वापस करेंगे। इसका नतीजा यह हुआ कि अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों पर नस्लवादी हमले बढ़ गए थे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी देश को गैरकानूनी तरीके से घुसपैठ करने वालों को लेकर चिंतित होना चाहिए। मगर एच1बी वीजा गैरकानूनी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता। अगर इस पर प्रतिबंध लगता, तो उसका खमियाजा वहां की कंपनियों को भुगतना पड़ता। सच्चाई यही है कि अब भी अमेरिका में इतने कुशल तकनीशियन और दूसरे पेशवेर नहीं हैं कि वहां की कंपनियां उनके भरोसे अपना कारोबार चला सकें। इस लिहाज से ट्रंप प्रशासन के नए रुख से न केवल भारतीय युवाओं, बल्कि अमेरिकी कंपनियों को भी राहत मिलेगी।

एनजीटी की बैठक 03 जनवरी को

इंदौर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) की प्रिंसिपल बैंच के सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की अध्यक्षता में 03 जनवरी को दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पर्यावरण योजना और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में ?विषय से संबंधित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक आज गुरुवार को

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) संबंधी बैठक 02 जनवरी 2025 को सुबह 10-30 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा, गांव की आबादी का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्र की समीक्षा तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शहरी एवं ग्रामीण की समीक्षा आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर द्वारा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित निर्वाचन भवन में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखी गई ईवीएम मशीनों की व्यवस्था को देखा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर राजेंद्र सिंह रघुवंशी, राजनीति दल प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचन प्रकोष्ठ के नगर संयोजक मनोहर मेहता सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

आज का कार्टून

क्षेत्रीय दलों ने राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया

सायंतन घोष

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी , पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम दुर्जेय ताकतों के रूप में उभरे. उनके मजबूत प्रदर्शन ने समर्थन जुटाने और जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया. लोकसभा चुनाव में सपा ने 37 सीटें हासिल कीं, टीएमसी ने 29 सीटें जीतीं और डीएमके ने 22 सीटें जीतीं, जिससे भाजपा के प्रभुत्व को प्रभावी ढंग से चुनौती मिली और विपक्ष की ताकत बढ़ी. राज्य विधानसभा चुनावों ने क्षेत्रीय दलों के उदय को और रेखांकित किया. झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कांग्रेस और अन्य दलों के साथ गठबंधन में 81 में से 56 सीटें हासिल करके महत्वपूर्ण जीत हासिल की. इसी तरह आंध्र प्रदेश में चंद्र बाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी ने 106 विधानसभा सीटें जीतकर उल्लेखनीय वापसी की. इन जीतों ने राज्य-स्पेसिफिक मुद्दों को संबोधित करने और जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने में क्षेत्रीय दलों की प्रभावशीलता को उजागर किया.

जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, क्षेत्रीय दलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी. 2024 के चुनावों में उनकी सफलता क्षेत्रीय नेतृत्व के महत्व और राष्ट्रीय दलों के लिए स्थानीय मुद्दों और निर्वाचन क्षेत्रों के साथ अधिक सार्थक रूप से जुड़ने की आवश्यकता को रेखांकित करती है. भारतीय राजनीति के भविष्य में गठबंधन सरकारों और क्षेत्रीय गठबंधनों पर अधिक जोर दिया जाएगा, जिसमें क्षेत्रीय दल नीति और शासन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

यह बदलाव भगवा पार्टी के राष्ट्रीय प्रभुत्व को चुनौती देता है. बिहार से लेकर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल तक क्षेत्रीय खिलाड़ियों ने न केवल अपनी पैठ मजबूत की, बल्कि जमीनी स्तर पर शासन, कल्याणकारी योजनाओं और संघीय सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करके चुनावी कथानक को भी आकार दिया. यह बदलाव बीजेपी के लिए भारत के जटिल राजनीतिक इको सिस्टम में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए अपनी रणनीति को फिर से जांचने की आवश्यकता का संकेत देता है.

2024 के चुनावों से एक महत्वपूर्ण सीख गठबंधन की राजनीति का बढ़ता महत्व है. आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू और बिहार में नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने सेंट्रलाइज नेचर के खिलाफ समर्थन जुटाने में अपनी योग्यता साबित की है, जिससे शासन में क्षेत्रीय दलों की अपरिहार्यता को बल मिला है. भाजपा ने पारंपरिक रूप से अपने सेंट्रलाइज दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, अब केंद्र और राज्यों दोनों में अपने क्षेत्रीय गठबंधन सहयोगियों को ज्यादा ऑटोनॉमी और राजनीतिक स्थान देने की तत्काल आवश्यकता का सामना कर रही है.

इसी तरह भाजपा को अपने विजन और नेतृत्व को फिर से परिभाषित करने में निवेश करना चाहिए. राष्ट्रीय शासन का वह मॉडल जिसने 2014 से उसे बार-बार जीत दिलाई, अब शायद पर्याप्त न हो. क्षेत्रीय दलों द्वारा स्थानीय आकांक्षाओं को पूरा करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के साथ भाजपा को एक नया विजन पेश करना चाहिए, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय आवश्यकताओं के साथ जोड़ता हो. इसमें अपने सहयोगियों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के साथ मजबूत सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है.

क्षेत्रवाद के रीसर्जन वाले युग में भाजपा की अडेप्टिबलिटी महत्वपूर्ण होगी. एक संतुलित दृष्टिकोण जो अपने सहयोगियों की ऑटोनोमी का सम्मान करता है. साथ ही एक ऐसा विजन जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिध्वनित होता है, यह निर्धारित करेगा कि क्या यह आने वाले वर्षों में भारत की लीडिंग राजनीतिक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रख सकता है.

सपा, टीएमसी और डीएमके जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने अपने-अपने राज्यों में बीजेपी का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है. यह बदलाव कांग्रेस के लिए अपनी रणनीति को फिर से तय करने और क्षेत्रीय सहयोगियों को ज़्यादा जगह देने की जरूरत को रेखांकित करता है. कई राज्यों में कांग्रेस की गिरावट और अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असमर्थता, विपक्ष की रणनीति में क्षेत्रीय दलों के महत्व को उजागर करती है. उत्तर प्रदेश में सपा की

सफलता, पश्चिम बंगाल में टीएमसी की मजबूती और तमिलनाडु में डीएमके का प्रभुत्व दर्शाता है कि कैसे ये पार्टियां स्थानीय मुद्दों के साथ तालमेल बिठाकर मतदाताओं को लामबंद कर रही हैं.

भाजपा को प्रभावी ढंग से चुनौती देने के लिए कांग्रेस को इंडिया ब्लॉक के भीतर ज्यादा समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए. इसका मतलब है क्षेत्रीय दलों की ताकत को पहचानना और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और चुनावी रणनीतियों में ज्यादा प्रमुखता देना. सहयोगात्मक माहौल को बढ़ावा देकर और अपने क्षेत्रीय सहयोगियों की ताकत का फायदा उठाकर, कांग्रेस एक ज्वाइंट फ्रंट पेश कर सकती है और भाजपा के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की क्षमता को बढ़ा सकती है.

2024 में क्षेत्रीय दलों का उदय भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है, जो यह दर्शाता है कि भविष्य के राज्य चुनाव राष्ट्रीय नहीं बल्कि स्थानीय स्तर पर होंगे. यह पुनरुत्थान स्थानीय मुद्दों और प्रत्येक राज्य की अनूठी जरूरतों को एड्रेस करने के महत्व को रेखांकित करता है, जिसे करने में क्षेत्रीय दल माहिर हैं. 2024 के चुनावों में उनकी सफलता जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता को उजागर करती है, जो मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होने वाले अनुरूप समाधान पेश करती है।महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव इसका एक प्रमुख उदाहरण थे. भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने कैश ट्रांसफर, कास्ट डाइमेंशन और कृषि संकट को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया, जो स्थानीय मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित हुआ. महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली महायुति की मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना उनकी जीत का एक प्रमुख फैक्टर थी, जिसने स्थानीय कल्याण योजनाओं के महत्व को प्रदर्शित किया.

इसी तरह हरियाणा में बीजेपी की लगातार तीसरी बार जीत का क्रेडिट उनके प्रभावी माइक्रो मैनेजमेंट और विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने को दिया गया. निर्वाचन क्षेत्र स्तर की रणनीतियों पर पार्टी का ध्यान, स्थानीय नेताओं को संगठित करना और वंचित समुदायों की जरूरतों को संबोधित करना उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. किसान, नौजवान, पहलवान के सेंट्रल नैरेटिव ने चुनाव में हाइपर लॉकल मुद्दों के महत्व को उजागर किया. झारखंड में 2024 के विधानसभा चुनावों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक ने राज्य की मुख्य रूप से आदिवासी आबादी के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके महत्वपूर्ण जीत हासिल की. झामुमो की जमीनी स्तर पर संचालित कल्याणकारी पहल और मजबूत आदिवासी पहचान ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उन्हें सफलता मिली. इसके अलावा महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिरसा हरित ग्राम योजना जैसी प्रमुख योजनाओं ने मतदाताओं का समर्थन जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.जैसे-जैसे क्षेत्रीय दल प्रमुखता प्राप्त करते हैं, राज्य के चुनावों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार जैसे अति स्थानीय मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की संभावना है. इन दलों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों की गहरी समझ है और वे विशिष्ट चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकते हैं, जिससे वे मतदाताओं के लिए अधिक आकर्षक बन जाते हैं. यह प्रवृत्ति राष्ट्रीय दलों को अधिक स्थानीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे राज्य की राजनीति में प्रासंगिक बने रहें. 2024 में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय भारतीय राजनीति में एक परिवर्तनकारी क्षण को दर्शाता है, जो संसद में दो-पक्षीय प्रभुत्व के पतन का संकेत देता है. यह बदलाव हाल के सत्रों में स्पष्ट रूप से देखा गया है, विशेष रूप से शीतकालीन सत्र के दौरान, जहां विपक्ष की एकता अलग-अलग प्राथमिकताओं को लेकर टूट गई. उदाहरण के लिए जहां कांग्रेस ने अडाणी मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, वहीं, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने क्षेत्रीय चिंताओं को आगे बढ़ाया. भाजपा पर इसका प्रभाव भी उतना ही उल्लेखनीय है. वक्फ विधेयक और एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक जैसे प्रमुख विधेयकों को स्थायी समितियों को भेज दिया गया - एक ऐसी पार्टी के लिए यह एक असामान्य कदम था, जो पहले इस तरह कदमों को दरकिनार करने के लिए जानी जाती थी. यह एक गठबंधन-संचालित सरकार की वास्तविकता को दर्शाता है, जहां क्षेत्रीय साझेदार काफी प्रभाव रखते हैं.

भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सबक है कि क्षेत्रीय चिंताओं को स्वीकार किए बिना और उन्हें प्राथमिकता दिए बिना, राष्ट्रीय दलों को शासन की जटिलताओं से निपटने में संघर्ष करना पड़ेगा. एकतरफा नियंत्रण का युग खत्म हो रहा है, जिससे क्षेत्रीय ताकतों के साथ सहयोग न केवल रणनीतिक बल्कि आवश्यक हो गया है.

ब्रेन डेड मरीज के अंगों ने 8 लोगों को दी नई जिंदगी

इंदौर। सोमवार को 60वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। मनोरमागंज निवासी 68 वर्षीय सुरेंद्र पोरवाल के ब्रेन डेड होने के बाद उनके दोनों हाथ, दोनों किडनी, लिवर, दोनों आंखें और त्वचा दान की गई। इस अंगदान से 8 लोगों को जीवनदान मिला। इंदौर के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब दोनों हाथ दान किए गए।डॉक्टरों की टीम ने शाम 6.25 बजे तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए। 12 मिनट में एयरपोर्ट तक अंग पहुंचाकर चार्टर्ड प्लेन से सुरेंद्र पोरवाल के दोनों हाथ और लिवर मुंबई भेजे गए। उनके हाथ ग्लोबल हॉस्पिटल, मुंबई में 26 वर्षीय युवक को ट्रांसप्लांट किए जाएंगे, जबकि लिवर जूपिटर हॉस्पिटल, मुंबई में 67 वर्षीय मरीज को लगाया जाएगा।इंदौर में उनकी किडनियां दो महिलाओं को ट्रांसप्लांट की गईं। एक किडनी 54 वर्षीय महिला को चोइथराम हॉस्पिटल में और दूसरी 57 वर्षीय महिला को अपोलो हॉस्पिटल में दी गई। उनकी आंखें एमके इंटरनेशनल आई बैंक और त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को सौंपी गई हैं।

सर्जरी के बाद कोमा और फिर ब्रेन डेड

पेट संबंधी बीमारी के कारण सुरेंद्र पोरवाल कुछ दिन पहले शैल्बी हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। सर्जरी के बाद वे कोमा में चले गए। रविवार को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। उनके परिवार ने खुद अंगदान की इच्छा जताई। मुस्कान ग्रुप और मेडिकल टीम ने इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई।लंग्स ट्रांसप्लांट की योजना भी थी, जिसे दिल्ली और अहमदाबाद के मरीजों के लिए भेजने की तैयारी थी। हालांकि, तकनीकी समस्याओं और स्वास्थ्य कारणों से यह संभव नहीं हो सका।परिवार ने कहा कि पिछले साल उनके रिश्तेदार के अंगदान से प्रेरणा मिली थी। उन्होंने कहा कि अगर हमारे अंगदान से किसी की जिंदगी बच सकती है, तो इससे बड़ी सेवा कुछ नहीं।

अभियान अंतर्गत इंदौर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 539 शिविर आयोजित

इंदौर। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में भी जनकल्याण हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जिले में अभी तक जन समस्याओं के निराकरण और विभिन्न शासकीय योजनाओं/सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 539 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में लगभग साढ़े 26 हजार आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शिविरों में कुल 31 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। बताया गया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के अंतर्गत देपालपुर में 108 शिविर आयोजित कर 4 हजार 166 आवेदन स्वीकृत किये गये है। इसी प्रकार सांवेर क्षेत्र में 81 शिविर आयोजित कर एक हजार 743 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं। इसी प्रकार महू क्षेत्र में 78 शिविर आयोजित कर 1707 आवेदन स्वीकृत किये गए तथा इदौर ग्रामीण क्षेत्र में 67 शिविर आयोजित 2134 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं। जिले के शहरी क्षेत्र इंदौर में 85 शिविरों में कुल 14 हजार 142 आवेदन प्रप्त हुए, जिनमें से 12 हजार 920 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं। देपालपुर शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 307 आवेदनों में से 288 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं। हातोद शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 261 आवेदनों में 218 आवेदन स्वीकृत हुए है। महूगांव शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 248 आवेदनों में से 246 आवेदन स्वीकृत हुए है। गौतमपुरा शहरी क्षेत्र 15 शिविरों में 816 आवेदनों में से 692 आवेदन स्वीकृत हुए हैं। मानपुर शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 331 आवेदनों में से 256 आवेदन स्वीकृत हुए है। सांवेर शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 1130 आवेदनों में से 1130 आवेदन स्वीकृत हुए है। राऊ शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 620 में से 5 पप आवेदन स्वीकृत हुए हैं। बेटमा शहरी क्षेत्र के 15 शिविरों में 390 आवेदनों में से 383 आवेदन स्वीकृत हुए है। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

नए वर्ष में नई खुशियां लाया राज्य शासन का पीईटीसी, पीईटीसी से प्रशिक्षित अनुसूचित जाति और जनजाति के 17 युवा बने फॉरेस्ट ऑफिसर

इंदौर। राज्य शासन के अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए इंदौर में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा है। यह केन्द्र नये वर्ष में नयी खुशियां लाया है। इस केन्द्र से प्रशिक्षित अनुसूचित जाति और जनजाति के 17 युवाओं ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में घोषित राज्य वन सेवा परीक्षा में ऐतिहासिक सफलता हासिल कर फॉरेस्ट ऑफिसर(वन क्षेत्रपाल) का महत्वपूर्ण पद हासिल किया है।

प्रशिक्षण केन्द्र की प्राचार्य डॉ. अलका भार्गव ने बताया कि परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा युवाओं को लगातार मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अनुसूचित जाति और जनजाति के युवाओं के लिए चल रहे इस केन्द्र में राज्य सिविल सेवा परीक्षा, वन सेवा परीक्षा, प्राध्यापक सहित अन्य पदों के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की तैयारियों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को इंटरव्यू की भी निःशुल्क तैयारी कराई जा रही है। डॉ. भार्गव ने बताया कि इस केन्द्र से प्रशिक्षित अनुसूचित जाति और जनजाति के 381 युवा राज्य शासन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर चयनित होकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कोषालय अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, पंजीयक, उप पंजीयक, जेलर सहित अन्य महत्वपूर्ण पद शामिल है। उन्होंने बताया कि हाल ही में घोषित लोक सेवा आयोग राज्य वन सेवा परीक्षा 2023 के परीक्षा परिणाम में इस केन्द्र से प्रशिक्षित 17 युवाओं ने सफलता हासिल की है। सफलता हासिल करने वालों में अनुसूचित जाति के 9 और जनजाति के 8 उम्मीदवार शामिल है। इनमें 14 पुरूष और 3 महिला उम्मीदवार है। सफल युवाओं में विक्रम कु. बामनिया (मंदसौर), विशाल सिंह कराहालिया (भिंड), पवन राणे (खरगोन), विजय कुमार (देवास), टिंकु कु. बागरी (पन्ना), वीरेन्द्रसिंह वास्केल (देवास), अरविंद अहिरवार (छतरपुर), एकता मेहरा (नर्मदापुरम), रजनी बागरी (पन्ना), नरेन्द्र गुनारे (खरगोन), विनोद चोपड़ा (आलीराजपुर), नरसिंह डुडवे (खरगोन), चन्दु आर्वे (खरगोन), राहुल सोलंकी (खंड़वा), गौरव सस्तिया (आलीराजपुर), एलिमन मेहता (बड़वानी) तथा माधवी भारती (सिवनी) शामिल है।

आचरण-वेशभूषा और परिवेश से होती है पहचान

कुछ कथनों को आधार बनाकर विचार करें तो 'बेहतरीन शुरूआत आधा काम सफल कर देता है' जैसे मुहावरे दर्शाते हैं कि हरेक काम में हमारा पहला प्रभाव बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार जब हम किसी व्यक्ति से पहली बार मिलते हैं तब भी हमारा आचरण, व्यक्तित्व सामने वाले के मन में अमिट छाप छोड़ जाता है। इसका आशय यह भी है कि हमारी सफलता और लोकप्रियता की चाबी दूसरों को प्रभावित करने में छिपी हुई है। इस विचार को समझते हुए हम अपने पहले प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ बना देने के लिए उत्साह से जुट जाते हैं। विद्यालय, कालेज और व्यावसायिक संस्थानों और घर में भी अलग-अलग स्तर पर हमें प्रशिक्षण दिया जाता रहता है कि प्रभावी प्रदर्शन के लिए किस तरह प्रयास करने चाहिए। हमारे हाव-भाव, बोलचाल, हमारी वेशभूषा और जूतों तक के बारे में समझाइश दी जाती रहती है, ताकि हमारा पहला प्रभाव सामने वाले पर बेहतरीन रहे। कई बार हम इस विचार पर इतने अधिक केंद्रित हो जाते हैं कि हमें कुछ समय के लिए स्वांग रचने में भी कुछ गलत महसूस नहीं होता। हम सामने वाले की रुचि के हिसाब से उसे प्रभावित करने की जद्दोजहद कर सफल भी हो जाते हैं। प्रश्न अब यह उठता है कि बेहतरीन पहले प्रदर्शन के बावजूद आगे अपेक्षित सफलता क्यों प्राप्त नहीं हो पाती। ऐसे कई उदाहरण हैं कि जिन्होंने शानदार शुरूआत की थी, आगे चलकर गुमनामी के अंधेरों में लुप्त हो गए। यह गौर करने वाली बात है कि किसी भी काम की नई शुरूआत तब तक सफल नहीं कही जा सकती, जब तक कि वह हमारे जीवन के सभी आयामों को न छू लेती हो। दूसरे के मन में अमिट छाप छोड़ने से पहले उसका गहरा प्रभाव हमारे भीतर होना आवश्यक है। वही हमारे जीवन की सफलता को सुनिश्चित करता है। हमारे आत्मबल को मजबूत करता है। हम वास्तव में जैसे हैं, बिल्कुल वैसा ही हमें खुद को प्रस्तुत करना चाहिए। अगर किसी बात या कार्य को शुरू करना है तो पहले उसके लिए अपने आपको दीर्घकालिक रूप से योग्य और समर्थ बनाना बहुत जरूरी है।

किसी और के सामने सर्वश्रेष्ठ नजर आने के लिए किसी तरह के छल का उपयोग कर भले ही अपने पहले प्रभाव को सिद्ध कर लें, पर उसके बाद का हमारा रास्ता हम खुद ही बेहद जटिल बना लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

32 रुपये से 220 रुपये के पार नवरत्न कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी इरेडा के शेयरों में नए साल के पहले ही दिन तूफानी तेजी आई है। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। इरेडा के शेयरों में यह तेज उछाल दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आया है। इरेडा के शेयर पिछले 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। इरेडा के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 310 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 100.40 रुपये है।

इरेडा के दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के मुताबिक, स्वीकृत किए गए लोन सालाना आधार पर 129 पर्सेंट बढ़कर 31,087 करोड़ रुपये रहे हैं। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी ने 13,558 करोड़ रुपये के लोन स्वीकृत किए थे। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का लोन डिस्बर्समेंट सालाना आधार पर 41 पर्सेंट बढ़कर 17,236 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 12,220 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2024 तक आउटस्टैंडिंग लोन बुक 69000 करोड़ रुपये थी।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार पहुंच गए हैं। इरेडा का आईपीओ 21 नवंबर 2023 को खुला था और यह 23 नवंबर तक ओपन रहा। इरेडा के आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 32 रुपये था। कंपनी के शेयर 1 जनवरी 2025 को 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में इरेडा के शेयरों में 115 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 1 जनवरी 2024 को 104.65 रुपये पर थे। इरेडा के शेयर 1 जनवरी 2025 को 227.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

4 महीने की ऊंचाई पर कोर सेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल के मौके पर देश को इकोनॉमी के मोर्चे पर राहत की खबर मिली है। वास्तव में कोर सेक्टर नवंबर 2024 में 4 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। नवंबर के महीने कोर सेक्टर का आंकड़ा 4.3 फीसदी देखने को मिला है जबकि अक्टूबर के महीने में कोर सेक्टर 4 फीसदी से नीचे देखने को मिले थे। वहीं पिछले साल की समान अवधि में ये आंकड़ा 8 फीसदी के आसपास था। आइए आपको भी बताते हैं कि सरकार की ओर से कोर सेक्टर के आंकड़े किस तरह के पेश किए हैं। आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों का उत्पादन नवंबर 2024 में 4.3 फीसदी देखने को मिला। खास बात तो ये है कि अक्टूबर के महीने में यह आंकड़ा 3.7 फीसदी देखने को मिला था। मासिक आधार पर नवंबर में इन क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर एक साल पहले इसी माह में यह 7.9 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि सालाना आधार पर कोर सेक्टर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। नवंबर 2024 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी आई। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन वृद्धि क्रमशः 7.5 प्रतिशत, 2.9 प्रतिशत, दो प्रतिशत, 4.8 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत रही। पिछले साल नवंबर में कोयला की उत्पादन वृद्धि 10.9 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद की 12.4 प्रतिशत, उर्वरक की 3.3 प्रतिशत, इस्पात की 9.7 प्रतिशत और बिजली की 5.8 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में सीमेंट का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार बढ़कर 13 प्रतिशत हो गई। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 8.7 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में इसकी 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए इक्रा लिमिटेक के चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि कोर सेक्टर के प्रदर्शन में क्रमिक वृद्धि विशेष रूप से सीमेंट उत्पादन में तेज वृद्धि के चलते थी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नवंबर 2024 में आईआईपी 5-7 फीसदी बढ़ेगा, जिसे मुख्य रूप से बुनियादी क्षेत्र की वृद्धि में तेजी से लाभ मिलेगा।

भारतीय परिवारों का खर्च बढ़ाः रोजमर्रा के व्यय के लिए ऋण ले रहे छोटे कर्जदार, आरबीआई की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने खुलासा किया है कि छोटे कर्जदार जहां रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए कर्ज ले रहे हैं, वहीं बड़े उधारकर्ता ऋण लेकर संपत्तियां बना रहे हैं। खासकर मकान के लिए बड़े कर्जदाता उधारी ले रहे हैं। ऐसे लोगों का क्रेडिट स्कोर 720 से ऊपर होता है, जबकि छोटे कर्जदारों का स्कोर 720 से नीचे होता है।

आरबीआई ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा, पिछले तीन वर्षों में भारतीय परिवारों के कर्ज में वृद्धि दर्ज की गई है।इसकी प्रमुख वजह कर्ज लेने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी है।जून, 2024 में मौजूदा बाजार मूल्यों पर जीडीपी का 42.9 फीसदी कर्ज भारतीय परिवारों पर था। यह अन्य उभरते देशों की तुलना में काफी कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य रूप से जो व्यक्तिगत कर्ज भारत में लिए जा रहे हैं, वे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड, कंज्यूमर ड्यूरेबल, वाहन, दोपहिया, शिक्षा, कृषि और मॉर्गेज लोन हैं। उच्च श्रेणी के उधारकर्ताओं के बीच प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि और परिसंपत्ति निर्माण के लिए ऋण का उपयोग वित्तीय स्थिरता बढ़ाने वाला है।

एक कर्ज नहीं चुकाया तो सारे लोन हो जाएंगे एनपीए

अगर आपने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुकाया, तो आपके होम लोन या कार लोन पर भी मुसीबत आ सकती है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप छोटे कर्ज पर डिफॉल्ट करते हैं, तो बैंक आपके सभी कर्ज को एनपीए मान सकते हैं। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे बिना गारंटी वाले कर्ज में होते हैं। ऐसे लोग, जिन्होंने इन छोटे कर्जों के साथ घर या गाड़ी के लिए बड़े कर्ज भी लिए हैं, उनके लिए खतरा ज्यादा बढ़ जाता है।

चीन में सार्वजनिक कर्ज सबसे ज्यादा 140 फीसदी

वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक ऋण 2024 के अंत तक जीडीपी का 93 फीसदी पहुंच जाएगा। इसका मतलब यह 100 लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगा। 30 जून तक चीन का कर्ज उसकी जीडीपी के अनुपात में 140 फीसदी था, जबकि जापान का 120 फीसदी था। उभरते बाजारों और यूरो जोन का कर्ज जीडीपी का 100-100 फीसदी, विकसित देशों का 90 फीसदी, अमेरिका का 85 फीसदी, ब्रिटेन का 70 फीसदी और भारत का 43 फीसदी रहा है।

एक से अधिक कर्ज ले रहे हैं उधारकर्ता

क्रेडिट कार्ड व पर्सनल लोन लेने वाले करीब आधे उधारकर्ताओं के पास एक और रिटेल लोन पहले से ही है। इस तरह के कर्ज अक्सर ज्यादा रकम वाले होते हैं, जो हाउसिंग या वाहन या दोनों होते हैं। इन बड़े और सुरक्षित ऋणों की तुलना में छोटे पर्सनल लोन में एनपीए का ज्यादा खतरा होता है। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट अधिकतर असुरक्षित लोन में होता है।

चूक का जोखिम उन उधारकर्ताओं में ज्यादा है, जिन्होंने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड बकाया के अलावा अन्य खुदरा ऋण लिया है। आरबीआई ने किसी भी तरह के जोखिम से निपटने के लिए हाल में असुरक्षित ऋण जैसे कुछ खुदरा कर्जों पर बैंकों और एनबीएफसी के लिएउच्च जोखिम भार लगाया है।कर्ज का लगभग दो तिहाई हिस्सा बेहतर क्रेडिट क्वालिटी वाला है। 50,000 रुपये से कम पर्सनल लोन लेने वाले 11 फीसदी उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी से अधिक ने 2024-25 में तीन से अधिक बार कर्ज लिया है।

School enrollment sees unprecedented drop of 1 crore since 2018-19, officials cite data cleanup

For the first time in many years, enrolment of students in schools, as per a UDISE+ report, has declined by over a crore in 2022-23 and 2023-24 compared to an average of about 26 crore every year over the previous four years, with the drop being attributed by officials to improved data collection methods that eliminated duplicate entries.UDISE is India's most comprehensive database on school education, and serves as a crucial tool for monitoring and evaluating the quality of education from pre-primary to higher secondary levels. This report is prepared by the Education Ministry based on data fed directly by the states on parameters such as enrolment, number of teachers, and number of schools.

The latest report shows that school enrolment stayed above 26 crore from 2018-19 to 2021-22, with slight increases of a few lakh students each year. While there was a small dip during the Covid year of 2020-21, the numbers remained above 26 crore throughout this period.

For the first time, enrolment figures fell to 25.17 crore in 2022-23 and further declined to 24.8 crore in 2023-24. This represents a drop of about 1.55 crore students (nearly 6 per cent) from the 2018-19 to 2021-22 period, when enrolment averaged 26.36 crore.

Ministry officials acknowledged the drop in enrolment but said it stemmed from revised data collection methods implemented in 2022-23. Under the new system, schools must now provide student-specific information rather than just school-level numbers.The latest UDISE+ report in fact states that the new data collation method would lead to "identification of beneficiaries for benefit transfers of Samagra Shiksha scheme, PM POSHAN Scheme, National Scholarship scheme etc" and that this "can bring significant savings to government in future years." This requires detailed records for each student, including their name, parent's name, address, and Aadhaar number, instead of simply reporting total class numbers. "This may have weeded out certain numbers, like children who may have been enrolled in both a government school and a private one," a senior official said.

The drop in 2023-24 compared to the four-year average has been seen in the primary (Classes 1 to 5), upper primary (Classes 6 to 8), and secondary (Classes 9 and 10) levels. In contrast, the pre-primary and higher secondary (Classes 11 and 12) levels have seen an increase in enrolment in 2023-24, compared to the 2018-19 to 2021-22 average.

CTET December 2024: Provisional answer key released at ctet.nic.in

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has released the Central Teacher Eligibility Test (CTET) December 2024 answer key along with the candidates' response sheets. The answer keys can now be checked and downloaded from the official website — ctet.nic.in.Candidates can raise objections on the CTET 2024 answer key by January 5 (11.59 pm). A non-refundable fee of Rs 1,000 per question is required to be submitted through a credit/debit card. To pass the test, a candidate must score 60 per cent or higher. School managements—including government, local bodies, government-aided, and unaided institutions—may provide concessions to candidates belonging to SC/ST, OBC, and differently-abled individuals, per their existing reservation policies. Candidates will receive weightage for their scores during the recruitment process; however, qualifying the CTET does not guarantee recruitment or employment. It is merely one of the eligibility criteria for appointment. If the Board accepts a challenge, meaning a mistake is identified by subject experts in the answer key, a policy decision will be announced, and the fee will be refunded.Refunds, if applicable, will be processed online to the credit/debit card accounts used for payment. Therefore, candidates are advised to use their own credit/debit cards for payment. The Board's decisions regarding challenges are final, and no further communication will be entertained.

Australia student visa: Confirmation of Enrolment required from Jan 2025

Starting January 1, 2025, international students applying for student visas in Australia must adhere to updated immigration regulations. The Department of Home Affairs will no longer accept Letter of Offer as part of Student visa applications submitted within Australia. Instead, the foreign students need to provide a Confirmation of Enrolment (CoE). "The change will only impact applications lodged on or after January 1, 2025. Visa applications lodged before that date using only a Letter of Offer from an education provider are not affected," says the government statement. A Letter of Offer is an official document issued by an Australian university, detailing admission information, tuition fees, commencement date, and requirements for applying for a student visa.

What is Confirmation of Enrolment

A Confirmation of Enrolment (CoE) is an electronic document that verifies a student's enrolment in a registered course at an Australian educational institution. The CoE provides details about the student, the programme, its cost, and its duration.

Key changes to be aware of

Mandatory CoE requirement: Applications submitted without a Confirmation of Enrolment (CoE) will be considered invalid, making them ineligible for assessment and the issuance of Bridging visas.

Uniform evidence standards: Both onshore and offshore applicants will now need to meet the same requirements for demonstrating their intent to study.

Exemption for existing applications: Applications lodged prior to January 1, 2025 using a Letter of Offer will not be affected by this change.

Experts suggest steps to ensure compliance

- Obtain a CoE from your institution before lodging your student visa application.

- If you are unable to secure a CoE before your current visa expires, consider leaving Australia or exploring alternative visa options to remain in compliance with legal requirements.

Background and implications

The shift from Letters of Offer to CoE is part of a broader effort by the Australian government to enhance the integrity of its international education sector and ensure that applicants are genuinely committed to studying in Australia. The CoE serves as proof that students have accepted an offer and paid their tuition fees, confirming their enrolment in a specific programme.

The Australian government has also recently implemented 'Ministerial Direction 111' (MD111), effective from December 19, 2024, to expedite the processing of offshore student visa applications. This new directive replaces the previous 'Ministerial Direction 107' (MD107), which faced criticism.

GATE 2025 Admit Card: IIT Roorkee to release GATE hall ticket today January 2

The Indian Institute of Technology (IIT) Roorkee will release the GATE 2025 admit card on January 2. The gate2025.iitr.ac.in will host the GATE admit card 2025 link. The Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE) 2025 will be conducted between February 1 and 16, 2025. After the IIT Roorkee releases the GATE admit card 2025 and candidates download it, they must make sure that certain information in the admit card is printed correctly. These are

1. Name of the candidate: The names of the candidate and their parents' name should be correct

2. Paper combinations: The candidates must check if the paper combinations they had applied for are the same

3. Photograph of the candidate: The photograph of the candidate must be the same and visible. A candidate will not be allowed to appear if the photograph on the admit card is different.

4. Signature of the candidate: The signature of the candidate should be the same as that on the application form.

5. Students should check the exam centre and other details on the GATE admit card.

In case the candidate finds some discrepancy in the GATE hall ticket 2025, they should immediately contact the GATE administering body and get it sorted before the start of the exam. GATE 2025 will be held for a total of 30 test papers. Candidates can appear for one or two test papers only. GATE will be held in two sessions – forenoon and afternoon over the weekends between February 1 and 16. The forenoon session exams will be held from 9.30 am to 12.30 pm and the afternoon session exams will be conducted between 2.30 pm and 5.30 pm.

JEE Main, NEET UG, EAPCET, MHT-CET 2025: Official websites of UG entrance exams

JEE Main, NEET UG 2025: The National Testing Agency (NTA) and other state exam conducting bodies will soon release the exam schedule for the undergraduate examination on its official website. Here is a rundown of all the competitive undergraduate entrance exam schedules like JEE Main, JEE Advanced, NEET UG, CUET UG and MHT-CET among others.

Application & exam date: The JEE Main first session is set to be held between January 22 and 31, 2025, while the next session will be held in April 2025. It is an exam through which students can secure admission to a BTech (undergraduate level) and BE courses in the Indian Institute of Technology (IITs), NITs and a few other engineering colleges in India.

Application dates: The JEE Advanced 2025 examination will be conducted on May 18, and registration will start on April 23, with the last day being May 2. The Advanced-level exam is the next step after JEE Main. Students who qualify for JEE Main are eligible to appear for JEE Advanced, and can only then secure admission in a BTech (undergraduate level) course at the Indian Institute of Technology (IIT)

CUET UG 2025

Official website: exams.nta.ac.in/CUET-UG/, cuetug.ntaonline.in (tentative)

Application & exam dates: In 2024, CUET UG was held between May 15 and 29, while in 2023, it was held in phases from May 21 to June 23. The CUET UG 2024 was conducted from May 15 to 31. The national-level entrance exam is for undergraduate admission in all central and some state and private universities.

Application & exam date: In 2024, the application started on February 1 with the last date being April 10. The COMEDK UGET exam was scheduled for May 12 in two sessions. The Consortium of Medical, Engineering and Dental Colleges of Karnataka (COMEDK) is conducted to take admission to medical, engineering and dental college of the state. In the case of CLAT UG 2025, the examination is completed, but due to litigation filed by a candidate in the Delhi High Court, the results of the UG exam have to be revised. The dates for the revised results are yet to be released.

इस ट्रिक से करें कैट की तैयारी

एमबीए करने के लिए कई लोग आईआईएम जैसे संस्थान से पढ़ाई करना चाहते हैं। आईआईएम में एडमिशन लेना इतना आसान नहीं हैं। इसके लिए आपको कैट की तैयारी करनी होती हैं। कई लोग कैट का एग्जाम आसानी से क्लियर कर लेते हैं। वहीं कई लोग 2 साल तक तैयारी करते हैं लेकिन इसके बाद भी कैट के एग्जाम को किल्यर नहीं कर पाते हैं। चलिए जानते हैं कैसे आप आसानी से कर सकते हैं कैट की तैयारी।

क्या आईआईएम में एडमिशन लेना है आसान

आईआईएम से पढ़ने का सपना हर किसी का होता है। ऐसे में इस कॉलेज में एडमिशन लेना काफी छात्र चाहते हैं लेकिन हर किसी का एडमिशन इस कॉलेज में नहीं हो पाता है।

कैट का एग्जाम कब होता है

आईआईएम तक पहुंचने के लिए कैट का एग्जाम क्लियर करना पड़ता है। हर साल कैट की परीक्षा नवंबर महीने से दिसंबर महीने के बीच होती है। वहीं इसके ऑनलाईन फॉर्म अगस्त के आसपास उपलब्ध होते हैं।

एग्जाम पैटर्न

इस परीक्षा में आपसे ऑब्जेक्टिव तथा सब्जेक्टिव दोनों तरह के सवाल पूछे जाते हैं। यह परीक्षा के तीन भागों में बांटा जाता है और आपको हर एक भाग के लिए 60 मिनट का समय भी दिया जाता है। कुल मिलाकर आपको 180 मिनट मिलते हैं और आपको 180 मिनट में 100 सवालों के जवाब देने होते हैं।
कैट का एग्जाम के लिए कैसे तैयारी करें
कैट के एग्जाम को क्लियर करने के लिए आपको रोजाना छह से आठ घंटे पढ़ाई करनी होगी। अगर आप कैट के लिए अच्छे से पढ़ाई करते हैं तो आप महज 6 महीने में कैट एग्जाम को क्लियर कर सकते हैं। कैट की तैयारी के लिए आप कोचिंग भी कर सकते हैं।
विषय की पूरी जानकारी हैं जरूरी
आप जिस भी विषय की पढ़ाई कर रहे हो आपको उस विषय में अच्छी पकड़ रखनी होगी। पढ़ने के बाद उसी विषय से संबंधित ऑब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों का हल करें।

इंग्लिश पर दें ध्यान

आपको अपनी इंग्लिश पर भी ध्यान देना चाहिए। कैट के एग्जाम में थोड़ी टफ इंग्लिश पूछी जाती है इसलिए इंग्लिश की प्रैक्टिस अच्छे से करें। रोजाना इंग्लिश न्यूज़ पेपर पढ़े और ज्यादा से ज्यादा अपनी वोकैबलरी पर काम करे।

शॉपिंग को बनाए अपना करियर ऑप्शन

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें शॉपिंग करना काफी अच्छा लगता है। जिसमें वे ढेर सारे पैसे खर्च कर देते हैं। हालांकि, ऐसे कई करियर ऑप्शन होते हैं, जो शॉपहॉलिक इंसान के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं।

करियर ऑप्शन चुनते समय यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी पसंद-नापसंद और स्वभाव को जरूर देखें। हर व्यक्ति अलग तरह का होता है और इसलिए अगर वह अपने अनुसार करियर ऑप्शन चुनता है तो वह सफलता के नए मुकाम हासिल करता है। मसलन, अगर आप शॉपहॉलिक हैं तो ऐसे में आप अपने काफी सारे पैसे सिर्फ और सिर्फ शॉपिंग में ही खर्च कर देते हैं। जिससे बाद में आपको दुख होता है, लेकिन फिर भी आप खुद को रोक नहीं पाते हैं।
ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी इसी आदत को अपना करियर ऑप्शन बना लें। जी हां, आज के समय में एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए भी करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। ऐसा व्यक्ति फैशन, ट्रेंड और रिटेल की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकता है।
इससे ना केवल उन्हें शॉपिंग को एन्जॉय करने का मौका मिलता है, बल्कि इसके लिए वे अच्छे खासे पैसे भी कमाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जो एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए बेहतर ऑप्शन रहेंगे

फैशन बायर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए फैशन बायर बेहतरीन करियर ऑप्शन है। जो फैशन बायर होता है, वह रिटेल स्टोर्स के लिए कपड़े व एक्सेसरीज खरीदता है। इसके लिए जरूरी है कि वह लेटेस्ट फैशन ट्रेन्ड्स की जानकारी रखता हो। साथ ही साथ, सप्लायर्स से नेगेशिएट करने से लेकर सेल्स डाटा को एनालाइज कर सके। एक सक्सेसफुल फैशन बायर बनने के लिए आपको कस्टमर्स की पसंद-नापसंद का अंदाजा लगाना आना बेहद जरूरी है। अगर आप बतौर फैशन बायर अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में आप फैशन मर्चेंडाइजिंग, बिजनेस या उससे संबंधित फील्ड में डिग्री हासिल करें।

पर्सनल शॉपर

अगर आपको फैशन की गही समझ है और आप लेटेस्ट ट्रेन्ड्स पर अपनी पैनी नजर रखते हैं तो ऐसे में पर्सनल शॉपर या स्टाइलिस्ट बनकर भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऐसे पर्सनल शॉपर अपने क्लाइंट के लिए कपड़ों से लेकर एक्सेसरीज तक के लिए शॉपिंग करता है। उसका काम अपने क्लाइंट की पसंद-नापसंद को समझते हुए उसके ओवरऑल स्टाइल को इंप्रूव करना होता है। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए किसी कोर्स को करने की खास जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी फैशन व स्टाइलिंग से जुड़ा कोर्स आपको पर्सनल स्टाइलिंग की बेहतर समझ देगा।

फैशन ब्लॉगर

फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर बनकर भी आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर स्पोन्सर्ड कंटेंट की मदद से काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं। वे लोगों को बेहतर तरीके से स्टाइल करने के टिप्स देते हैं और इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद लेते हैं। अगर आप बतौर फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर काम करना चाहते हैं तो सोशल मीडिया पर ब्लॉगिंग शुरू करें। इसमें आप हाई क्वालिटी कंटेंट पेश करें। जिससे लोग आपसे जुड़ने लगें और कई ब्रांड्स आपके साथ कोलेबोरेशन करना चाहें।

फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर बनकर भी अपना करियर आगे बढ़ा सकता है। इनका मुख्य काम फैशन शो, प्रोडक्ट लॉन्च या अन्य फैशन से जुड़े इवेंट को प्लॉन व को-ऑर्डिनेट करना होता है। इस भूमिका में लॉजिस्टिक्स से लेकर मार्केटिंग तक कई चीजों को हैंडल करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट, मार्केटिंग से इससे जुड़े फील्ड में डिग्री हासिल करके आप इस फील्ड में अपना कदम रख सकते हैं।

स्टूडेंट्स की काफी मदद करते हैं फेलोशिप प्रोग्राम

भारत समेत तमाम देशों में कई सारे फेलोशिप प्रोग्राम चलते हैं, जो स्टूडेंट्स की काफी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन फेलोशिप प्रोग्राम के बारे में विस्तार से।

आज जीवन में सफलता पानेवके लिए जरूरी है कि आप किताबी ज्ञान के साथ-साथ और भी पहलूओं को समझें। भारत में ढेर सारी फेलोशिप ऑफर की जाती है, जिनका आप हिस्सा बनकर खुद को अन्य लोगों ने अलग दिखा सकते हो। अब सवाल यह है कि भारत में कौन-कौन सी फेलोशिफ ऑफर की जाती है और उसका हिस्सा हम कैसे बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई है। यह योजना उच्च शिक्षण संस्थानों को लक्षित करती है। यह फेलोशिप विशेष रूप से पीएचडी करने वालों के लिए तैयार की गई है। इस फेलोशिप के तहत उम्मीदवारों को 70 हजार तक की राशि दी जाती है।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने के इच्छुक लोगों के लिए। 4 से 10 साल के कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए डिज़ाइन इसे डिजाइन किया गया है। फेलोशिप प्रतिभागियों को सार्वजनिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाती है।

इंडिया फेलो प्रोग्राम

इंडिया फेलो प्रोग्राम 18 महीने की अवधि की होती है और इस फेलोशिप में प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर सामाजिक चुनौतियों से जुड़ने के लिए तैयार करती है। किसी भी विषय से स्नातकों या जल्द ही स्नातक होने वाले लोगों के लिए खुला, यह कार्यक्रम व्यक्तियों को सामाजिक नेताओं में ढालता है, वास्तविक दुनिया के मुद्दों और समाधानों की गहरी समझ को बढ़ावा देता है।

एसबीआई फेलोशिप

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फ़ेलोशिप शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के राष्ट्र के आह्वान की प्रतिध्वनि है। यह फ़ेलोशिप प्रतिभाशाली दिमागों को ग्रामीण समुदायों के साथ सहयोग करने और सतत विकास समाधान बनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 13 महीने तक चलने वाला यह कार्यक्रम परिवर्तनकारी सीखने के अनुभवों को विकसित करता है, सहानुभूति को बढ़ावा देता है और ग्रामीण भारत की जटिलताओं को समझने वाले नेताओं का पोषण करता है।

अगर आपको बेकिंग करना काफी अच्छा लगता है और आपने इससे जुड़ा प्रोफेशनल कोर्स किया है तो अब आप कई जगहों पर काम के अवसर तलाश कर सकते हैं।

बेकिंग प्रोफेशनल के पास अवसरों की कमी नहीं

जब भी हम किसी खास अवसर को सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ ना कुछ मीठा अवश्य खाते हैं। आज के समय में लोग इस तरह के अवसर पर केक काटते हैं या फिर पेस्ट्री आदि खाकर सेलिब्रेट करते हैं। जिसके लिए अक्सर पेस्ट्री शॉप का रुख करते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सिर्फ केक या पेस्ट्री खाना ही नहीं, बल्कि उन्हें बनाना भी काफी अच्छा लगता है। ऐसे में बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं। हो सकता है कि आपको यह लगता हो कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करके आप सिर्फ शॉप में ही काम कर सकते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आपने बेकिंग में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो आपके पास अवसरों की कमी नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करने के बाद आप कहां-कहां अपना करियर देख सकते हैं-

बेकर

अगर आपने बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो ऐसे में आप बतौर बेकर या पेस्ट्री शेफ के रूप में काम कर सकते हैं। आप बेकरी, स्वीट शॉप या फिर रेस्त्रां आदि में काम कर सकते हैं। आपकी जॉब रिस्पॉन्सिबिलिटीज में अलग-अलग तरह की ब्रेड, पेस्ट्री, केक और अन्य बेक किए गए सामान को तैयार करना और उसे पकाना शामिल हो सकता है।

केक डेकोरेटर

केक डेकोरेटर एक स्पेशलाइज्ड पर्सन होता है, जिसका मुख्य कारण केक आदि की डिजाइनिंग व डेकोरेशन के लिए यूनिक आइडियाज तैयार करना होता है। खासतौर से, विशेष अवसरों के लिए वे खास डिजाइन तैयार करते हैं। आप बतौर केक डेकोरेटर बेकरी या केक शॉप्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

चॉकलेटियर

बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप चॉकलेटियर बनकर भी अपना करियर देख सकते हैं। एक चॉकलेटियर का काम होता है कि वह कई अलग-अलग चॉकलेट प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इसमें चॉकलेट के अलावा ट्रफ़ल्स और अन्य कन्फेक्शन शामिल हैं। एक चॉकलेटियर चॉकलेट प्रोडक्ट्स को बनाने के साथ उन्हें डिजाइन करने और उन्हें डेकोरेट करने का काम भी करता है।

फूड स्टाइलिस्ट

बेकिंग और पेस्ट्री में ग्रेजुएशन करने के बाद आप बतौर फूड स्टाइलिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। यहां पर आप अपने बेकिंग स्किल्स को काम में ला सकते हैं। एक फूड स्टाइलिस्ट का काम फोटोग्राफर व डिजाइनर के साथ मिलकर काम करते हैं। उनका मुख्य काम एडवरटाइजमेंट, कुकबुक और मैगजीन के लिए फूड आइटम्स को और भी ज्यादा अपीलिंग बनाना होता है।

फूड ब्लॉगर

अगर आपको लिखना अच्छा लगता है और आप अपने लेखन में अपने बेकिंग स्किल्स को भी शामिल करना चाहते हैं तो ऐसे में फूड ब्लॉगर बनकर भी अपना करियर संवार सकते हैं। जब आप बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं तो आपका ज्ञान आपके लेखन को और भी अधिक बेहतर व गहन बनाता है। आप ब्लॉग से लेकर यूट्यूब या सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों पर आपकी बेक्ड आइटम्स की रेसिपी, ट्यूटोरियल व सीक्रेट्स आदि शेयर कर सकते हैं।

एशिया कप, चैम्पियंस ट्रॉफी पर नजरें...

2025 में ऐसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल का आगाज हो गया है. दुनियाभर में 2025 का स्वागत जश्न के साथ किया जा रहा है. पिछला साल भारतीय क्रिकेट के लिए मिला-जुला ही रहा है. टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम ने धमाल मचाते हुए टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया. मगर वनडे और टेस्ट में उसे कई करारी शिकस्त झेलनी पड़ी हैं. इन दोनों ही फॉर्मेट में भारतीय टीम की हालत पतली नजर आई है.

2024 का आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला, जिसमें 184 रनों से हार झेलनी पड़ी है. अब भारतीय टीम 2024 की इन कड़वी यादों को भुलाकर 2025 का जोरदार स्वागत करना चाहेगी.

सिडनी टेस्ट से होगा नए साल का आगाज

साथ ही भारतीय टीम नए साल में जीत से आगाज करने और बड़े खिताब भी जीतने का इरादा रखती है. टीम इंडिया को नए साल का अपना पहला मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट खेलना है. यह दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट भी होगा. फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-1 से आगे है.

2025 में भारतीय टीम की पहली फ्रेश सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ होगी. जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लिश टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी.

इसके बाद इसी साल भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी खेलना है. इसी साल 11-15 जून के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा. यदि भारतीय टीम क्वालिफाई करती है, तो उसके लिए अपना पहला खिताब जीतने का मौका रहेगा. आइए जानते हैं 2025 में कैसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल....

2025 में भारतीय टीम का फुल शेड्यूल

3-7 जनवरी - भारत-ऑस्ट्रेलिया सिडनी टेस्ट (सीरीज का आखिरी)

इंग्लैंड का भारत दौरा

पहला टी20- 22 जनवरी- कोलकाता

दूसरा टी20- 25 जनवरी- चेन्नई

तीसरा टी20- 28 जनवरी- राजकोट

चौथा टी20- 31 जनवरी- पुणे

पांचवा टी20- 2 फरवरी- मुंबई

पहला वनडे- 6 फरवरी- नागपुर

दूसरा वनडे- 9 फरवरी- कटक

तीसरा वनडे- 12 फरवरी- अहमदाबाद

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 (फरवरी-मार्च)

20 फरवरी - भारत -बांग्लादेश, दुबई

23 फरवरी - भारत - पाकिस्तान, दुबई

2 मार्च - भारत- न्यूजीलैंड, दुबई

4 मार्च - सेमीफाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई

9 मार्च - फाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई

इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों टेस्ट सीरीज (जून से अगस्त तक)

पहला टेस्ट - 20-24 जून, हेडिंग्ले

दूसरा टेस्ट - 2-6 जुलाई, एजबेस्टन

तीसरा टेस्ट - 10-14 जुलाई, लॉर्ड्स

चौथा टेस्ट - 23-27 जुलाई, मैनचेस्टर

पांचवा टेस्ट - 31 जुलाई से 4 अगस्त, ओवल

आगे की सीरीज इस तरह रहेंगी...

अगस्त में - बांग्लादेश दौरे पर 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज

अक्टूबर में - वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की घरेलू सीरीज

अक्टूबर-नवंबर - टी20 फॉर्मेट में एशिया कप

नवंबर - ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी20 मैचों की सीरीज

नवंबर-दिसंबर - साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी20 की घरेलू सीरीज.

ये 5 भारतीय क्रिकेटर्स हो सकते हैं रिटायर

2025 में लग जाएगी संन्यास की लाइन?

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 में कई मशहूर क्रिकेटर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. डेविड वॉर्नर, शिखर धवन, जेम्स एंडरसन और रविचंद्रन अश्विन सहित कई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट करियर का अंत किया. वहीं रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 इंटरनेशनल को अलविदा कहा. साल 2025 भी क्रिकेटर्स के संन्यास वाला रह सकता है. खासकर भारत के कई मशहूर क्रिकेटर्स 2025 में क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं. हम आपको ऐसे ही पांच सबसे चर्चित नामों के बारे में बता रहे हैं इनमें से किसी की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है तो कोई लंबे अरसे से टीम इंडिया से बाहर है. फॉर्म के साथ ही अपनी बढ़ती उम्र के चलते भी ये क्रिकेटर्स अब अपना सफर खत्म कर सकते हैं. इन सभी भारतीय दिग्गजों की उम्र 36 साल से ज्यादा है.

रोहित शर्मा

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा का 2024 में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ना ही उनकी बल्लेबाजी में वो दम नजर आया और ना ही अपनी कप्तानी में वे रंग में दिखें. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2024 की शुरुआत में सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के बाद 37 वर्षीय रोहित बड़ा फैसला ले सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं. रोहित ने 67 टेस्ट में 4301 रन बनाए हैं. उनके नाम 12 शतक दर्ज है.

रोहित शर्मा

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा का 2024 में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ना ही उनकी बल्लेबाजी में वो दम नजर आया और ना ही अपनी कप्तानी में वे रंग में दिखें. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2024 की शुरुआत में सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के बाद 37 वर्षीय रोहित बड़ा फैसला ले सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं. रोहित ने 67 टेस्ट में 4301 रन बनाए हैं. उनके नाम 12 शतक दर्ज है.

चेतश्वर पुजारा

चेतश्वर पुजारा ने कभी कोई टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेला. वहीं आखिरी वनडे उन्होंने 2014 में खेला था लेकिन वे 2011 से लेकर 2023 तक लगातार भारत के लिए टेस्ट मैच खेलते रहे.

36 वर्षीय पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला था. इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं. भारत के लिए 103 टेस्ट में 7195 रन बनाने वाले पुजारा भी नए साल में क्रिकेट से रिटायर हो सकते हैं.

अजिंक्य रहाणे

36 साल के अजिंक्य रहाणे हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहद शानदार फॉर्म में दिखे थे. लेकिन टीम इंडिया से वे लंबे समय से बाहर हैं.

उन्होंने आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ जुलाई 2023 में खेला था. इसके बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर हैं. अजिंक्य रहाणे भी 2025 में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट पर बड़ा फैसला ले सकते हैं. रहाणे ने 85 टेस्ट में 5 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं.

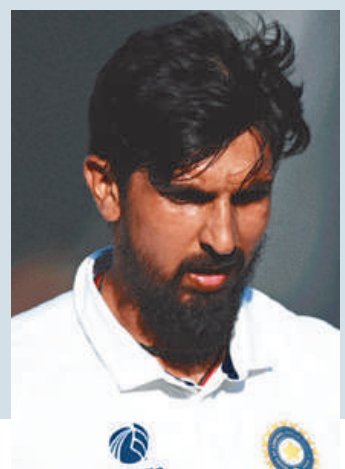

इशांत शर्मा

भारत के लिए 430 से ज्यादा इंटरनेशनल विकेट झटक चुके इशांत शर्मा ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ कानपुर में खेला था. इसके बाद से 36 साल के इशांत भारतीय टीम से दूर है.

साल 2024 खत्म हो चुका है अब देखना होगा कि इशांत अपने करियर पर नए साल में क्या फैसला लेते हैं.

डिविलियर्स ने ड्रेसिंग रूम में खेला द. अफ्रीका टीम के साथ फुटबॉल

सेंचुरियन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने प्रोटियाज ड्रेसिंग रूम में वापसी की और सेंचुरियन में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में बारिश के कारण व्यवधान के दौरान टीम के साथ फुटबॉल के एक छोटे से खेल का आनंद लिया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका

(सीएसए) के आधिकारिक एक्स हैंडल ने एबी का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह अपने पूर्व टीम साथी एडेन मार्करम, ट्रिस्टन स्टब्स और मार्को जानसन सहित अन्य खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। सीएसए ने पोस्ट किया कि प्रोटियाज लीजेंड के साथ अच्छी किक-अबाउट जैसा कुछ नहीं।

- **डब्ल्यूटीसी फाइनल में है दक्षिण अफ्रीका:**

दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। प्रोटियाज़ ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज़ में हासिल कर लिया और चौथे दिन दो विकेट से जीत हासिल की।

इस जीत के साथ, दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग के शीर्ष पर अपनी जगह मजबूत कर ली, खेले गए 11 मैचों में सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर रहा। तीसरे डब्लयूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से कोई एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

विजय हजारे ट्रॉफी: काम नहीं आई अर्पित की सेंचुरी, पंजाब 84 रन से जीता

अभिषेक शर्मा ने बनाए 170 रन तो प्रभसिमरन के बल्ले से निकले 125 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट 2024-25 के राउंड 5 मुकाबले में पंजाब का सामना सौराष्ट्र के साथ हुआ। इस मुकाबले में पंजाब की टीम को कप्तान व ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह की शतकीय पारी के दम पर 84 रन से जीत मिली। अभिषेक शर्मा को उनकी 170 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। पंजाब के खिलाफ सौराष्ट्र ने टॉस जीता था और फिर गेंदबाजी करने का फैसला किया।

इसके बाद पंजाब की टीम ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 424 रन का विशाल स्कोर बना दिया। इसके जवाब मे सौराष्ट्र की टीम ने 50 ओवर में 367 रन बनाए, लेकिन उसे 84 रन से हार मिली। इस मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 791 रन बनाए साथ ही इस मैच में कुल 3 शतक भी लगे।

अभिषेक ने 170 रन तो प्रभसिमरन ने खेली 125 रन की पारी

इस मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ पंजाब के

कप्तान अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने कमाल की पारी खेली।

दोनों पंजाब के लिए ओपन करने आए थे और पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 298 रन की शानदार साझेदारी हुई। अभिषेक शर्मा ने 8 छक्के और 22 चौकों के साथ 96 गेंदों पर 170 रन की पारी खेली जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 95 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली। सौराष्ट्र की तरफ से प्रणव कारिया ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

अर्पित की शतकीय पारी हुई बेकार

इस मैच में सौराष्ट्र को जीत के लिए 425 रन का बड़ा टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम इस विशाल लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई।

दूसरी पारी में सौराष्ट्र के लिए अर्पित वासवदा ने 3 छक्के और 9 चौकों की मदद से 88 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। इस टीम के लिए कप्तान जयदेव उनादकट ने 37 गेंदों पर 48 रन जबकि विकेटकीपर व ओपनर बल्लेबाज हार्विक देसाई ने 2 छक्के और 10 चौकों की मदद से 33 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। पंजाब के सबसे सफल गेंदबाज सनवीर सिंह रहे जिन्होंने 3 विकेट लिए तो अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

मुंबई के 17 साल के क्रिकेटर ने मचाया तहलका

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के आयुष म्हात्रे ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी होने का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है.

उन्होंने हमवतन यशस्वी जयसवाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. म्हात्रे ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को नगालैंड के खिलाफ विजय

यशस्वी जायसवाल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

हजारे ट्रॉफी मैच (वनडे-50 ओवरों का मैच) के दौरान यह रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली. म्हात्रे ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में भारतीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जायसवाल 17 साल और 291 दिन के थे, जब उन्होंने 2019 में झारखंड के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी. इस सीजन की शुरुआत में घरेलू दिग्गज मुंबई के लिए डेब्यू करने वाले म्हात्रे ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर 181 रन बनाए. उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 403 रन बनाए. मुंबई के विरार उपनगर के रहने वाले आयुष म्हात्रे ने इस सत्र की शुरुआत में टीम में शामिल होने के बाद से सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है.

म्हात्रे ने अब तक 6 फर्स्ट क्लास मैचों के अलावा 5 लिस्ट-ए मुकाबलों में हिस्सा लिया है.

विवादों से घिर चुकीं रूपाली ने की सोशल मीडिया पोस्ट, लिखा-

'मैं ड्रामा अवॉयड करती हूं'

हाल ही में 'अनुपमा' सीरियल की लीड एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट को शेयर किया। जिसमें कुछ ऐसा लिखा है जो रूपाली गांगुली की तरह से खुद पर लगाए जा रहे आरोपों का मुंहतोड़ जवाब कहा जा सकता है।

बातों को मुंह पर कहती हैं

रूपाली ने इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट शेयर की है, उस पर कुछ ऐसा लिखा- 'मैं ड्रामा अवॉयड करने की कोशिश करती हूं क्योंकि मेरे मुंह पर कोई फिल्टर नहीं लगा।' इस पोस्ट के जरिए शायद एक्ट्रेस यही कहना चाहती हैं कि जो कुछ भी वह कहती हैं, मुंह पर कह देती हैं, चाहे वह अच्छा हो या बुरा। वह बातों को लाग-लपेटे के साथ नहीं कहती हैं।

को-एक्टर्स छोड़ चुके हैं सीरियल

अब तक रूपाली गांगुली वाले सीरियल 'अनुपमा' को कई एक्टर्स छोड़ चुके हैं। बाहर आकर कुछ एक्टर्स ने रूपाली के बारे में काफी कुछ कहा है। जिससे ऐसा लगने लगा कि रूपाली के कारण ही बाकी एक्टर्स सीरियल छोड़ रहे हैं। हो सकता है कि अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए रूपाली इन सभी एक्टर्स को ही जवाब दे रही हो।

सौतेली बेटी ने भी लगाए आरोप

कुछ महीनों पहले रूपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने भी उन पर कई तरह के आरोप लगाए। इस पर रूपाली ने सौतेली बेटी पर मानहानि का केस करने की बात कही। बीच-बीच में ईशा वर्मा सोशल मीडिया पर रूपाली को लेकर पोस्ट करती रहती हैं, जिसमें उनके बारे में तरह-तरह की बातें कहती हैं। ऐसे में हो सकता है कि रूपाली ने हालिया पोस्ट ईशा वर्मा को लेकर भी की हो। इन सभी कंट्रोवर्सी के बीच रूपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' अब भी टॉप 10 सीरियल में बना हुआ है। हाल ही में 51वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में रूपाली का सीरियल चौथे स्थान पर था।

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा 2025 में उड़ान भरने को तैयार

नए साल के जश्न के बीच अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा वीडियो साझा किया, जिसमें वह बीते साल को याद कर रही हैं तो वहीं 2025 को लेकर खासा उत्साहित नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय मीरा ने अपनी पोस्ट में 2024 को नई शुरुआत, परिवार और सपनों की तलाश का साल बताया, जबकि 2025 की ओर पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने का जज्बा दिखाया। उन्होंने पोस्ट संग लिखा कि वह 2025 के लिए उड़ान भरने को तैयार हैं। मीरा राजपूत ने कैप्शन में लिखा, 2024 नई शुरुआत, परिवार और सपनों का साल था। 2025 मैं उड़ान भरने के लिए तैयार हूं।

वीडियो में शाहिद और उनके दो बच्चों मीशा और जैन संग दिख रही हैं। नए साल के जश्न की तैयारी में डूबी मीरा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया था कि वह नए साल की पूर्व संध्या के लिए कैसे तैयार होती हैं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया था, नए साल का जश्न कैमरे के लिए तैयार लुक और त्वचा सुबह तक सॉफ्ट रहे। तो मैं यहां बताती हूं कि मैं मेकअप के साथ अपनी स्किनकेयर को कैसे लेयर करती हूं। मीरा ने बताया था, मेकअप लगाने और उतारने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रोज मल्टी-एक्टिव सीरम लें। चमक के लिए रेडियंस सीरम लगाएं और मेकअप के दौरान त्वचा को सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइस्चराइजर लगाएं। मीरा म्यूजिक कॉन्सर्ट या अन्य इवेंट में भी शिरकत करती नजर आती हैं। हाल ही में मीरा, ब्रायन एडम्स के कॉन्सर्ट में रवीना टंडन संग नजर आई थीं। ये शो मुंबई में आयोजित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने मोहन भागवत को लिखा लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव वाले साल की शुरुआत हो गई है। नए साल के पहले दिन आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरने के लिए राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को चिट्ठी लिखी है और उनसे कई सवाल पूछे हैं। केजरीवाल ने भाजपा पर कई आरोप लगाते हुए पूछा है कि पिछले दिनों में बीजेपी ने जो भी गलत किया क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरएसएस प्रमुख से भाजपा को लेकर कई सवाल किए हैं। उन्होंने भाजपा पर पैसे बांटने, दलितों, पूर्वांचली लोगों के वोट कटवाने और जनतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाते हुए मोहन भागवत से सवाल किया कि क्या इन मुद्दों पर भाजपा को आरएसएस का समर्थन प्राप्त है? केजरीवाल ने पूछा कि भाजपा ने पिछले दिनों में जो भी गलत किया क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है? अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 'भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांट रहे हैं, क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है? बड़े स्तर पर दलित, पूर्वांचली के वोट काटे जा रहे हैं क्या आरएसएस का लगता है ये जनतंत्र के लिए सही है? क्या आरएसएस को नहीं लगता भाजपा जनतंत्र को कमजोर कर रही है।' अरविंद केजरीवाल ने तीन महीने पहले भी मोहन भागवत को लेटर लिखा था। तब उन्होंने पीएम मोदी के रिटायरमेंट समेत पांच मुद्दों पर सवाल पूछे थे। उन्होंने तब भाजपा पर दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ने, भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल कराए जाने के आरोप लगाते हुए भाजपा और आरएसएस के संबंधों पर भी सवाल उठाए थे। केजरीवाल ने मोहन भागवत को नई चिट्ठी ऐसे समय पर लिखी है जब दिल्ली में कभी भी चुनाव का ऐलान हो सकता है। दिल्ली में फरवरी में चुनाव हो सकते हैं।

फर्जी आईपीओ में निवेश करा महिला से ठगे 20 लाख रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पुलिस ने शेयरों में निवेश करने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह के 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक महिला को हाई रिटर्न का झांसा देकर उससे 19.27 लाख रुपए की ठगी की थी। हालांकि जब पुलिस जांच करते हुए आरोपियों तक पहुंची तो पता चला कि उन्होंने केवल महिला को ही अपना शिकार नहीं बनाया है, बल्कि पुलिस को उनके द्वारा अलग-अलग राज्यों के लोगों के साथ की गई 2.5 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी का पता चला। जिसका पैसा क्रिप्टो करंसी के जरिए अलग-अलग देशों के खातों में पहुंचाया गया था। इस बारे में जानकारी देते हुए दक्षिण-पश्चिम के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि इस केस के बारे में तब पता चला जब साध नगर की रहने वाली एक महिला ने 18 अक्टूबर को साइबर पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि जुलाई महीने में एक महिला ने उससे सम्पर्क किया था और खुद को एक निवेश कंपनी की रिसर्च एनालिस्ट (विश्लेषक) बताते हुए भारी मुनाफे वाली निवेश सलाह देने की बात कही।सलाह और वर्चुअल प्रशिक्षण से प्रभावित होकर पीड़िता ने उनके बताए एक मोबाइल ऐप को अपने फोन में इंस्टॉल कर लिया। आरोपियों ने उसे निवेश की गई रकम पर 100 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न का आश्वासन दिया था।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के सम्मान और स्मारक का दिल्ली के चर्चित वकील ने किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार और स्मारक को लेकर राजनीति तेज है। इस बीच दिल्ली के एक वरिष्ठ वकील ने मनमोहन सिंह के प्रस्तावित स्मारक का विरोध किया है। कई चर्चित केसों की पैरवी करने वाले अश्विनी उपाध्याय ने मनमोहन सिंह की सरकार में हुए घोटालों और कुछ अन्य फैसलों का जिक्र करते हुए स्मारक बनाए जाने का विरोध किया है। केंद्र सरकार ऐलान कर चुकी है कि उचित स्थान का चुनाव करके मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जाएगा।

अश्विनी उपाध्याय ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह कई दलीलों के साथ मनमोहन सिंह के सम्मान और स्मारक पर सवाल उठाते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, सम्मान किसका होना चाहिए और समाधि स्थल किसका बनना चाहिए, क्या उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए जिसके 10 साल के शासन में 10 लाख लाख करोड़ का घोटाला हो गया। 70 हजार

करोड़ का कॉमनवेल्थ घोटाला, एक लाख 76 हजार करोड़ का टूजी घोटाला, अगर आप पूरा देखें 2004 से लगभग 10 लाख करोड़ का घोटाला होगा। और भी बहुत सारे घोटाले।

उपाध्याय ने नेशनल माइनॉरिटी एजुकेशन ऐक्ट का जिक्र करते हुए भी मनमोहन सिंह के सम्मान और स्मारक का विरोध किया है। उन्होंने कहा, क्या उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए और समाधि स्थल बनना चाहिए सरकारी पैसे से जिसने संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए 2004 में एक नेशनल माइनॉरिटी एजुकेशन ऐक्ट बनाया और भारत में समुदाय विशेष को फायदा देने के लिए जो स्कूल कॉलेज थे इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, लॉ कॉलेज उनको माइनॉरिटी स्टेटस देना शुरू कर दिया।

वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि पहली बार भारत में माइनॉरिटी अफेयर मिनिस्ट्री 2006 में बनी है उसके पहले तक केवल सोशल जस्टिस मिनिस्ट्री हुआ करती थी जिसको कहते थे सामाजिक न्याय मंत्रालय। सभी गरीबों का कल्याण उसी के जरिए होता था। लेकिन 2006 में पहली बार रहमान खान साहब को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बनाया गया और ये काम किया गया था केवल तुष्टिकरण के लिए। क्या वो व्यक्ति सम्मान का अधिकारी है जिसने 2010 में विदेशी फंडिंग कराने के लिए एफसीआरए कानून बनाया जो, ये जो एफसीआरए कानून 2010 में बनाया गया था केवल और केवल भारत विरोधी माओवादियों, नक्सलियों, जिहादी मिशनरियों को फंडिंग कराने के लिए बनाया गया था। उसके बाद यहां एनजीओस की भरमार हो गई।

उपाध्याय ने आगे कहा, क्या उस व्यक्ति को सम्मान मिलना चाहिए जिसने 2012 में राइट टू एजुकेशन ऐक्ट को बदल के मदरसों को इसके दायरे से बाहर कर दिया। जब राइट टु एजुकेशन ऐक्ट बना था तो मदरसे भी इसके दायरे में थे। लेकिन 2012 में इस कानून में संशोधन किया गया। नतीजा ये है कि मदरसे में कौन पढ़ा रहा है, मदरसे में क्या पढ़ाया जा रहा है, ये सरकारी अधिकारी जा के ऑडिट नहीं कर सकते और यह किसके कहने पर किया गया था, जमीयत उलेमा हिंद और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कहने पर, प्रधानमंत्री कौन मनमोहन सिंह, क्या उनका सम्मान होना चाहिए।

दिल्ली में सड़क पर शराब पीने से रोका तो कांस्टेबल को मारी टक्कर, 10 मीटर घसीटा; 400 पेज की चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में बीते सितंबर में ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल की हुई हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। सड़क पर शराब पीने को लेकर कांस्टेबल ने आरोपियों को डांटा था। जिसकी वजह से कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी गई। आरोपपत्र के अनुसार, 30 साल के मृतक संदीप मलिक जब 29 सितंबर को सादे कपड़ों में रात की ड्यूटी पर थे, तब उन्होंने नांगलोई इलाके में धर्मेंद्र (39) और रजनीश (25) को कार में शराब पीते देखा।

एक अधिकारी ने आरोपपत्र का हवाला देते हुए बताया कि जब मलिक ने आरोपियों को डांटा, तो उनके बीच बहस शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने अपने वाहन से मलिक की बाइक को टक्कर मार दी और बाइक को 10 मीटर तक घसीटा। अधिकारियों ने बताया कि संदीप के सिर में गंभीर चोटें आईं और अन्य पुलिसकर्मी उसे एक अस्पताल ले गए। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सकों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि यह घटना रात करीब 2.15 बजे की है, जो सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

तीस हजारी अदालत में 27 दिसंबर को 400 पन्नों का एक आरोपपत्र दाखिल किया गया। पुलिस ने अपने आरोपपत्र में दो व्यक्तियों - धर्मेंद्र और रजनीश को मुख्य आरोपी बनाया है, जबकि दो अन्य - जितेंद्र उर्फ ??जीतू और मनोज शेरमैन को धर्मेंद्र को शरण देने के लिए नामजद किया गया है। धर्मेंद्र और रजनीश दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कांस्टेबल और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए एक ठोस आरोपपत्र तैयार किया है।

नहीं तोड़ा जा रहा कोई मंदिर; एलजी का आतिशी को जवाब, घटिया राजनीति का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में चुनावी मौसम के बीच नित नए नए मुद्दों को लेकर सियासी वार पलटवार देखे जा रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में किसी भी धार्मिक स्थल को नहीं तोड़ने की गुजारिश की थी। अब इस पत्र का एलजी ने जवाब देते हुए कहा है कि ऐसी कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके साथ ही एलजी ने आतिशी पर केजरीवाल की तरह ओछी सियासत करने का आरोप लगाया है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना के सचिवालय ने पूजा स्थलों को तोड़े जाने के आरोप का खंडन किया है। एलजी सचिवालय ने कहा है कि न तो कोई मंदिर, मस्जिद, चर्चा या अन्य पूजा स्थलों को तोड़ा या ध्वस्त किया जा रहा है और न ही इस आशय की कोई फाइल आई है।

एलजी सचिवालय ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी और अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए घटिया राजनीति कर रही हैं। उप राज्यपाल की ओर से पुलिस को उन ताकतों के खिलाफ अतिरिक्त निगरानी रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर इस तरह की हरकतें कर सकते हैं। उप राज्यपाल के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। हाल ही में बीते क्रिमस समारोह के दौरान भी किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं देखी गई। आतिशी ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि बीते 22 नवंबर को हुई धार्मिक समिति की बैठक में दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बने कई धार्मिक ढांचों को गिराने का आदेश दिया गया है। बीते वर्षों में धार्मिक समिति के निर्णय को मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री (दिल्ली सरकार) के माध्यम से उपराज्यपाल को भेजा जाता रहा है। आतिशी ने लिखा है कि दिल्ली के चुने हुए प्रतिनिधि होने के चलते सरकार यह ध्यान रखती है कि लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे, लेकिन उपराज्यपाल सचिवालय की तरफ से एक आदेश जारी कर यह कहा गया कि धार्मिक ढांचों को हटाने का विषय पब्लिक ऑर्डर के तहत आता है। इसलिए यह निर्णय उपराज्यपाल ही सीधे लेंगे। इसके बाद से धार्मिक समिति द्वारा लिए गए सभी निर्णय सीधे उनके पास जाते हैं। आतिशी ने लिखा है कि गृह विभाग बिना उनके मंत्री एवं मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाए इन मामलों को सीधे राजनिवास भेजता है। उपराज्यपाल के निर्देश पर धार्मिक समिति ने दिल्ली के कई धार्मिक ढांचों को गिराने का निर्णय लिया है।

बांग्लादेशी सेल जिससे अवैध नागरिकों का पता लगाएगी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में इन दिनों अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। पुलिस अवैध रूप से भारत में रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को डिपोर्ट कर रही है। राजधानी में दो दशक पहले भी पुलिस ने ऐसा ही अभियान चलाया था। तब पुलिस के आला अधिकारियों ने ऐसे पुलिसकर्मियों की तलाश की थी जो बंगाली बोल और समझ सकते थे। इनका काम खास इलाकों के निवासियों से मिलना-जुलना और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के बारे में खुफिया जानकारी जुटानी थी। ऐसे पुलिसकर्मियों को एक सेल में रखा जाता था। दिल्ली में एक बार फिर अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। जिसने पुलिस को अपने बांग्लादेश सेल को फिर से शुरू करने के लिए प्रेरित किया है, जो पिछले एक दशक या उससे भी ज्यादा समय से बंद पड़े हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में एक पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा

स्थापित, इस सेल का गठन हर जिले में किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करना और उनका पता लगाना था। उस समय, इन सेल के जरिए पुलिस ने फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के जरिए हजारों ऐसे अप्रवासियों का पता लगाया और उन्हें डिपोर्ट (निर्वासित) किया। यह एक्सरसाइज फिर शुरू हो गई है। कई जिलों ने अनौपचारिक रूप से फॉरनर डिपोर्टेशन सेल नाम से वैसी ही टीमें बनाई हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलों ने पुरानी यूनिट को फिर से शुरू किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'इन सेल्स में आमतौर पर 5-10 पुलिसकर्मी होते हैं, खासतौर से जिन्हें बांग्ला बोलनी आती है। इनका नेतृत्व या तो एक इंस्पेक्टर या एक सब-इंस्पेक्टर करता है। इसके अलावा असमिया-बंगाली पुलिसकर्मियों की मदद ली जा रही है।' पुलिस अधिकारी ने कहा, उच्चारण, शब्दावली और भावों में कुछ उल्लेखनीय अंतर हैं। बांग्लादेश में बोली जाने वाली बंगाली में एक अलग तरह का एक्सेंट (उच्चारण) होता है। इसके अतिरिक्त, मुहावरेदार अभिव्यक्तियां और बोलचाल की भाषा भी अलग होती है। इन्हें पहचानना चुनौती है और जिन पुलिसकर्मियों को भाषा का बुनियादी ज्ञान भी है, वे इसमें आगे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे झुग्गी-झोपड़ियों, मजदूर शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों का दौरा करते है, जहां अवैध प्रवासियों के मौजूद होने की संभावना होती है। सुबह से शुरू होने वाली यह कवायद देर शाम तक चलती है। उन्होंने कहा, भाषा हमें यह समझने में मदद करती है कि वेरिफाइड किया जा रहा व्यक्ति क्या कह रहा है। इससे संवाद स्थापित करने में मदद मिलती है और यह भी सुनिश्चित होता है कि किसी गलत व्यक्ति को डिपोर्ट न किया जाए।

अफगानिस्तान से पंगा लेकर बुरा फंसा पाकिस्तान, तालिबान के पश्तूनवाली ऐलान ने उड़ाए पाक सरकार के होश

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की हालिया एयर स्ट्राइक के बाद तालिबान ने जवाबी हमला तेज कर दिया है, जो अब एक वाइल्ड फायर का रूप ले चुका है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान और तालिबान दोनों ने सीमा पर भारी हथियारों का जमावड़ा कर लिया है। इस बीच, तालिबान ने पश्तूनवाली का ऐलान कर पाकिस्तान को एक नई चुनौती में डाल दिया है। तालिबान सरकार के मंत्री खैरुल्ला खैरख्वा ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को अपना मेहमान बताते हुए कहा है कि पश्तूनवाली के तहत तालिबान अपने मेहमानों की सुरक्षा करेगा।

अगर पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाया, तो इसे पश्तूनवाली के खिलाफ माना जाएगा, जिससे पाकिस्तान के भीतर मौजूद पश्तून समुदाय भी बगावत कर सकता है। इस रणनीति ने पाकिस्तान को गहरे संकट में डाल दिया है।

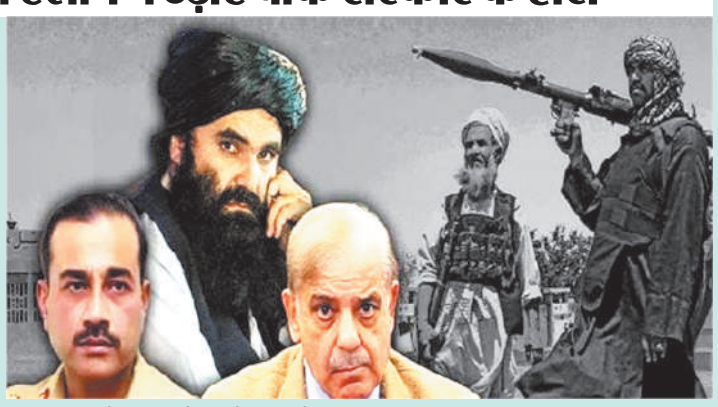

तालिबान ने खुद भले हमले न करने का भरोसा दिया हो, लेकिन टीटीपी को सुरक्षित पनाहगाह देकर पाकिस्तान पर हमले जारी रखने का संकेत दिया है। इस स्थिति में शहबाज शरीफ सरकार पर दोहरी मार पड़ रही है एक तरफ टीटीपी की बढ़ती हिंसा और दूसरी तरफ तालिबान का समर्थन। पाकिस्तान की आर्थिक हालत पहले से ही बेहद खराब है। किसी भी सैन्य टकराव से देश पूरी तरह तबाह हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शहबाज शरीफ के पास या तो तालिबान के आगे झुकने का विकल्प है या फिर एक विनाशकारी युद्ध का।

लंदन में इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के घर से एक अरब रुपए से अधिक के आभूषण-कीमती हैंडबैग और नकदी चोरी

लंदन, एजेंसी। नए साल पर ब्रिटेन में अरबों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। लंदन पुलिस एक मकान में घुसकर 1.32 करोड़ अमेरिकी डॉलर (एक अरब रुपये से अधिक) के आभूषण, डिजाइनर हैंडबैग और नकदी लेकर रफूचक्कर हुए चोर की तलाश में जुटी है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, मकान के मालिकों की पहचान एक इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर और पेशे से डेवलपर उनके पति के रूप में हुई है, जो सात दिसंबर को चोरी के समय घर पर नहीं थे। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार हालांकि कर्मचारी घर में थे और घर की रखवाली करने वाली एक महिला का हथियारबंद चोर से आमना-सामना भी हुआ। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिटेक्टिव कांस्टेबल पाउलो रॉबर्ट्स ने सोमवार को चोरी का खुलासा होने के बाद कहा, हथियारबंद संदिग्ध व्यक्ति मकान में घुसा और अपराध को अंजाम दिया। मकान से चोरी हुई चीजों में 10.73 कैरेट की हीरे की अंगूठी, सोने, हीरे और नीलम जड़ी एक क्लिप शामिल है। इसके अलावा 16 लाख रुपये से

अधिक (1,89,00 अमेरिकी डॉलर) के हैंडबैग भी चोरी हुए हैं। मकान मालिकों ने संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 6,28,000 अमेरिकी डॉलर (पांच करोड़ रुपये से अधिक) का ईनाम देने की घोषणा की है। इसके अलावा चोरी हुई वस्तुएं बरामद होने पर उनकी 10 प्रतिशत कीमत अतिरिक्त ईनाम के तौर पर दी जाएगी। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति दूसरे तल की खिड़की से घर में घुसा। 'मेल ऑनलाइन से मिली सर्विलांस फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति गलियारे से गुजरता हुआ दिख रहा है।

ब्रिटेन की अपने नागरिकों को कड़ी चेतावनी - भारत सैटेलाइट फोन न लेकर जाएं

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने मंगलवार को भारत के लिए यात्रा परामर्श को अद्यतन करते हुए ब्रिटिश नागरिकों को बिना लाइसेंस के भारत में सैटेलाइट फोन ले जाने या उपयोग करने के खिलाफ चेतावनी दी। विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने भारत के लिए अपने परामर्श की समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि ब्रिटेन के लोगों को भारत में अवैध रूप से ऐसे उपकरण लाने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

परामर्श में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि सुनने वाले कुछ खास उपकरणों और 'शक्तिशाली कैमरों या दूरबीनों के लिए भी दूरसंचार विभाग से पूर्व-अनुमति की आवश्यकता है और ऐसे उपकरणों के बारे में लंदन में भारतीय उच्चायोग से सलाह ली जा सकती है। कार्यालय ने परामर्श में बताया, भारत में बिना लाइसेंस के सैटेलाइट फोन रखना और उनका संचालन करना अवैध है।

पाकिस्तान के लोगों को नये साल पर लगा बड़ा झटका, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाई गई

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान में महंगाई पहले से चरम सीमा पर है. खाद्य पदार्थों समेत अन्य चीजों के दाम सातवें आसमान पर है. इस बीच नये साल की शुरुआत पर ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी गई. इससे लोगों की नाराजगी और बढ़ गई. पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार (स्थानीय समय) को हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 2.96 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत में 56 पाकिस्तानी पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की. इस तरह पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत अब 252.66 पाकिस्तानी रुपये हो गई. वहीं, हाई-स्पीड डीजल की अपडेट कीमत बढ़कर 258.34 रुपये प्रति लीटर हो गई. एआरवाई न्यूज के अनुसार कीमतों में ये बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझान और स्थानीय आर्थिक स्थितियों से प्रभावित नियमित संशोधनों का हिस्सा हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एक

महीने के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है. रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान सरकार पेट्रोलियम लेवी को कम करने में विफल रही है. इसने पेट्रोलियम कीमतों में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. पिछले डेढ़ महीने में पेट्रोलियम की कीमतों में 12.14 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है. जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में पाकिस्तान में विपक्षी दलों ने पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी और तर्क दिया था कि इससे मुद्रास्फीति से प्रभावित नागरिकों पर और अधिक बोझ पड़ेगा. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और जमात-ए-इस्लामी सहित कई प्रमुख विपक्षी दलों ने सरकार के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की. पाकिस्तानी न्यूज रिपोर्ट अनुसार जमात-ए-इस्लामी के अमीर हाफिज नईम-उर-रहमान ने देश में ईंधन की कीमतों में हुई वृद्धि की कड़ी आलोचना की. उन्होंने इसे शर्मनाक बताया. जियो न्यूज के अनुसार जमात-ए-इस्लामी के अमीर हाफिज नईम-उर-रहमान ने पेट्रोलियम कीमतों में हाल ही में हुई वृद्धि की कड़ी निंदा की और इसे शर्मनाक बताया. जमात-ए-इस्लामी नेता ने आम जनता या औद्योगिक क्षेत्र को राहत प्रदान करने में असमर्थता के लिए सरकार की आलोचना की.

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।